राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 20 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–325 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी संसदीय दल की बैठक

मोदी बोले-विपक्ष का मकसद मोदी को उखाड़ फेंकना, हमारा मकसद देश का विकास करना

नई दिल्ली। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पार्टी सांसदों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विपक्ष का मकसद नरेंद्र मोदी को उखाड़ फेंकना है, जबकि हमारा मकसद देश का विकास करना है। यह सोच का अंतर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए संसद की सुरक्षा में सेंध के मामले में राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और लोकतंत्र में विश्वास करने वाली कोई भी पार्टी इस तरह की घटना को कैसे जस्टिफाई कर सकती है? प्रधानमंत्री ने सदन में हुई घटना पर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि संसद भवन में जो कुछ हुआ उसका समर्थन करना गलत है, लेकिन विपक्ष जो कुछ कर रहा है यह तीन राज्यों में हुई हार की उसकी हताशा है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने मन बना लिया है कि वह विपक्ष में ही बैठेगा। संसदीय दल की बैठक के बारे में बताते हुए पार्टी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वर्तमान संसद में जो हुआ प्रधानमंत्री ने उसे लेकर गंभीर पीड़ा व्यक्त करते हुए बैठक में कहा कि संसद चर्चा का मंच है, कई गंभीर बिल जिससे देश के विकास का और रास्ता खुलेगा

उस पर चर्चा होनी चाहिए और यह जो (विपक्षी दल) ब्लॉक कर रहे हैं संसद में अवरोध पैदा कर रहे हैं, यह तीन राज्यों में विधान सभा चुनाव हारने की उनकी हताशा है और उस हताशा के कारण ही संसद में अवरोध पैदा किया जा रहा है और उससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि जो नौजवान बच्चे लोगों ने कुछ किया उसको डायरेक्टली या इनडायरेक्टली जस्टिफाई किया जा रहा है, जो और भी ज्यादा चिंताजनक है।

● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए संसद की सुरक्षा में सेंध के मामले में राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और लोकतंत्र में विश्वास करने वाली कोई भी पार्टी इस तरह की घटना को कैसे जस्टिफाई कर सकती है? प्रधानमंत्री ने सदन में हुई घटना पर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि संसद भवन में जो कुछ हुआ उसका समर्थन करना गलत है,

प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और लोकतंत्र में विश्वास करने वाली कोई भी पार्टी इस तरह की घटना को कैसे जस्टिफाई कर सकती है ? घटना की जांच हो रही है, होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल अपने चाल, चरित्र और चिंतन में कोई बदलाव नही कर रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने 2024 में भाजपा की बड़ी जीत की बात कहते हुए कहा कि 2023 की यह अंतिम मंगलवार की बैठक है और अभी जो हॉल (बैठक हॉल) है उसमें लगभग ढाई ब्लॉक बीजेपी के सांसदों से भरता है, 2024 में पूरा ब्लॉक भर जाएगा और जो विपक्ष के लोग हैं, उनकी संख्या क्या होगी यह बताने की जरूरत नहीं है और उसका कारण बिल्कुल स्पष्ट है कि आज जो तथाकथित इंडिया गठबंधन है जिसे हम घमंडिया गठबंधन कहते हैं, उसकी बैठक का उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंकना है और हम जो यहां बैठे हैं, उनका उद्देश्य है भारत का भविष्य उज्जवल करना है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा सांसदों को अपनी वाणी में संयम रखने, लोकतांत्रिक मान्यताओं पर चलने और लोकतांत्रिक आचरण के अनुसार अपनी बात कहने की सलाह देते हुए कहा कि 18 साल के फर्स्ट टाइम वोटर दस साल से भाजपा की ही सरकार देख रहे हैं इसलिए उन्हें यह बताना जरूरी है कि अतीत में क्या हालत थी और 10 साल में भाजपा ने क्या-क्या बदला है। उन्होंने सांसदों को छुट्टियों में सीमावर्ती गांवों में जाने की भी सलाह दी।

ईडी का सामना या विपश्यना, केजरीवाल पर राघव चड्ढा साफ कर दी पूरी बात

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दूसरी बार तलब किए गए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर केंद्रीय जांच एजेंसी के नोटिस को तरजीह नहीं देंगे। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने स्पष्ट संकेत दिया है कि केजरीवाल पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक मंगलवार (19 दिसंबर) को विपश्यना करने जा रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अरविंद केजरीवाल से डरती है और उन्होंने कमजोर करना चाहती है। चड्ढा ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, आज भाजपा यदि किसी से डरती है तो अरविंद केजरीवाल से डरती है। वह अरविंद केजरीवाल को कमजोर करना चाहती है। मुझे लगता है कि सोते-जागते इन लोगों के सपने में सिर्फ अरविंद केजरीवाल जी ही आते हैं। क्या केजरीवाल ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश होंगे? पत्रकारों के इस सवाल पर राघव चड्ढा ने कहा, सब लोग जानते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री जी 19 तारीख से विपश्यना के लिए प्रस्थान करेंगे। वह नियमित तौर पर जाते हैं विपश्यना के लिए और यह उनका पहले से तय कार्यक्रम है। वह वकीलों से सलाह करके, ईडी को क्या जवाब देना है, जवाब देना है या नहीं, आगे की रणनीति तय करेंगे।

जम्मू में रोहिंग्याओं को आश्रय देने वालों के खिलाफ कार्रवाई

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस ने जम्मू जिले में रोहिंग्याओं (अवैध प्रवासियों) को आश्रय देने वाले मददगारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। आधिकारिक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है जो देश के गैर-नागरिकों को आश्रय देने और सरकारी लाभ दिलाने में मददगार रहे हैं। इनके खिलाफ जम्मू के विभिन्न थानों में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने बताया कि जम्मू जिले में उन स्थानों पर जहां ऐसे लोगों को ठहराया जाता है तथा उन्हें सुविधा देने वालों के आवासीय स्थानों पर भी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में प्रक्रिया के तहत तलाशी ली गयी।

पर्यावरण के क्षेत्र में भारत विकासशील देशों की आवाज बना: भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि पर्यावरण संबंधी मामलों में वैश्विक स्तर पर भारत विकासशील देशों की आवाज बना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज दुनिया ने भारत की क्षमता को न केवल पहचाना है बल्कि स्वीकार भी किया है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दिल्ली घोषणा के तहत 'हरित विकास' की प्रस्तावित अवधारणा को दुनिया ने स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का कद विश्व में ऊंचा हुआ है। भूपेन्द्र यादव ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चंद्रयान मिशन से हमने दुनिया को दिखा दिया कि हमारी क्षमता क्या है। इसके साथ चंद्रयान मिशन से दुनिया को यह भी बताया कि न्यूनतम बजट में हम चांद तक पहुंच सकते हैं। भारत मिशन चंद्रयान चला कर अपनी क्षमताओं को सिद्ध कर चुका है। भारत ने कम वित्तीय बजट 615 करोड़ रुपये में सफल चंद्रयान मिशन करके दिखाया है। इसके साथ कोरोना महामारी में भारत के प्रबंधन को दुनिया ने सराहा है। विश्व बैंक के अनुसार भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट को 6.3 प्रतिशत के हिसाब से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर भी भारत ने विश्व के सामने

अपनी बात मजबूती से रखी है। भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर होते हुए पर्यावरण के लक्ष्यों को भी साधने में कामयाब रहा है। संसद में विपक्षी सांसदों को निष्कासन के प्रश्न पर यादव ने कहा कि विपक्ष को नकारात्मक राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्हें आत्मचिंतन करना चाहिए। विपक्षी दलों में निराशा और हताशा है।

कांग्रेस ने कहा, विपक्षी सांसदों का निलंबन लोकतंत्र के लिए खतरनाक

● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह ने सदन की गरिमा का अपमान किया है।

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि विपक्षी सांसदों का निलंबन लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। विपक्ष का काम है कि वह सरकार के गलत निर्णयों का विरोध करे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह ने सदन की गरिमा का अपमान किया है। गंभीर सुरक्षा चूक के बावजूद वो संसद में आकर बयान नहीं देते। खड़गे ने कहा कि इतिहास में पहली बार इतनी संख्या में सांसदों को

सस्पेंड किया गया है। यह लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने जैसा है। यह सदन की मर्यादा पर गहरी ठेस है। उल्लेखनीय है कि संसद सुरक्षा चूक के मुद्दे पर दोनों सदनों से अभी तक विपक्ष के 92 सदस्य निलंबित किए जा चुके हैं। निलंबन के विरोध में आज कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्ष लगातार मांग कर रही है कि इस मुद्दे पर केन्द्रीय गृहमंत्री संसद के दोनों सदन में जवाब दें। पिछले सप्ताह बुधवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान दो युवक दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे। युवक अपने जूते में स्प्रे छिपाकर लाए थे। उसे उन्होंने सदन में स्प्रे कर दिया और सदन में पीला धुआं फैल गया था।

भजन लाल मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार गृह जिले भरतपुर दौरे पर

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मंगलवार को अपने गृह जिले भरतपुर के दौरे पर हैं और वह दोपहर में भरतपुर सर्किट हाउस में लोगों से मिलेंगे।

शर्मा दोपहर बाद उत्तर प्रदेश में स्थित श्री गिर्राज मंदिर में दर्शन करेंगे । इससे पहले मुख्यमंत्री के भरतपुर पहुंचने से पहले रास्ते में जगह-जगह स्वागत किया जायेगा। मुख्यमंत्री सुबह भरतपुर के लिए रवाना हुए और उनके भरतपुर सर्किट हाउस पहुंचने पर जोरदार स्वागत होगा। बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना के मद्देनजर सर्किट हाउस के पास स्थित भवन में भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है जहां वह लोगों से मिलेंगे। उनके

● शर्मा दोपहर बाद उत्तर प्रदेश में स्थित श्री गिर्राज मंदिर में दर्शन करेंगे । इससे पहले मुख्यमंत्री के भरतपुर पहुंचने से पहले रास्ते में जगह-जगह स्वागत किया जायेगा। मुख्यमंत्री सुबह भरतपुर के लिए रवाना हुए और उनके भरतपुर सर्किट हाउस पहुंचने पर जोरदार स्वागत होगा। बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना के मद्देनजर सर्किट हाउस के पास स्थित भवन में भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है

मुख्यमंत्री बनने पर भरतपुर के लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है और वे श्री शर्मा का भरतपुर पहुंचने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

श्री शर्मा सर्किट हाउस में लोगों से मिलने के बाद गिरिराज महाराज मंदिर में दर्शन के लिए जायेंगे। रास्ते में जगह-जगह उनका स्वागत किया जायेगा। मुख्यमंत्री का रात आठ बजे तक जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

गुजरात से अयोध्या- 33 साल बाद फिर रथयात्रा,14 शहरों से गुजरेगी

गांधीनगर/अयोध्या। 1990 के दशक की रथयात्रा की ही तरह एक और रथयात्रा गुजरात से 8 जनवरी को रामनगरी अयोध्या के लिए निकलेगी। यह रथयात्रा गुजरात-MP-UP के 14 शहरों से होते हुए 1400 किमी का सफर तय करेगी और 20 जनवरी को यह रामनगरी अयोध्या पहुंचेगी।

अहमदाबाद की राम चरित मानस ट्रस्ट-न्यूराणिप रथयात्रा आयोजित कर रही है। अयोध्या पहुंचने के बाद ट्रस्ट रामलला को 51 लाख रुपए का चढ़ावा चढ़ाएगा। इससे पहले 1990 के दशक में

लालकृष्ण आडवाणी ने प्रथम पूज्य सोमनाथ ज्योर्तिलिंग धाम से अयोध्या के लिए रथयात्रा निकाली थी। रथयात्रा के बाद ही राम मंदिर आंदोलन आमजन तक पहुंचा था।

आडवाणी-मुरली मनोहर से अपील- जनवरी में अयोध्या न आएं

उधर, राममंदिर ट्रस्ट ने 33 साल पहले रथयात्रा के सूत्रधार रहे लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से आग्रह किया है कि वे जनवरी में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या न आएं। राम मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय ने यह जानकारी दी। चंपत राय ने कहा कि दोनों नेताओं की उम्र काफी ज्यादा हो चुकी है। यहां ठंड भी ज्यादा है। इसलिए मैंने दोनों से निवेदन किया है कि समारोह में न आएं।

लालकृष्ण आडवाणी 96 साल के हैं, और मुरली मनोहर जोशी जनवरी में 90 साल के हो जाएंगे। ट्रस्ट का कहना है कि दोनों वरिष्ठ हैं और उनकी उम्र को देखते हुए उनसे यह अनुरोध किया गया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।

4 हजार संत, 2 हजार डुढ्ढक आमंत्रित किए गए

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि 22 जनवरी को अभिषेक समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। आमंत्रित लोगों की जानकारी देते हुए राय ने कहा कि आडवाणी और जोशी स्वास्थ्य और उम्र संबंधी कारणों से अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हो सकते हैं।

यूपी-बिहार में सर्द हवाएं बढ़ाएंगी ठिठुरन

नई दिल्ली। गुजरता दिसंबर अपना असर दिखाने लगा है। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी से सर्द हवाएं चल रही हैं जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। ऊपर से सुबह और शाम के वक्त घना कोहना छाया रहता है जिससे आवाजाही में मुश्कलें हो रही हैं। दूसरी ओर, दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल समेत कई इलाके भारी बारिश से परेशान हैं। चेन्नई में जोरदार बरसात ने काफी तबाही मचाई है। मंगलवार को भी देश के अलग-अलग हिस्सों में कुछ ऐसे ही मौसम की मार पड़ने वाली है। चलिए हम आपको बताते हैं कि आज मौसम का हाल कैसा रहने वाला है....

दिल्ली में आज बादल छाए रहने की संभावना-राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को आंशिक रूप से बादल छाया रह सकता है। मौसम विभाग ने यहां सुबह में धुंध या हल्का कोहरा रहने का अनुमान जताया है। विभाग ने कहा कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश- 22 और 6 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस बीच, शीतलहर ने लोगों की कंपकपी बढ़ा दी है। दिल्ली की हवाएं काफी सर्द हो गई हैं। मालूम हो कि सोमवार को यहां न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत तापमान से 1 डिग्री नीचे 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि अधिकतम तापमान 22.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 330 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

यूपी में कैसा है मौसम का हाल

उत्तर प्रदेश की बात करें तो राजधानी लखनऊ में आज सुबह घना कोहरा छाया रहा। यूपी के तमाम इलाकों में इन दिनों सुबह और शाम के वक्त कोहरा आम बात हो गई है। इससे लोगों को यातायात में परेशानी उठानी पड़ रही है। साथ ही सर्द हवाएं भी सितम ढा रही हैं। हालांकि, दिन में धूप जरूर खिल रही है जिससे लोगों को कंपकपी से राहत मिल जाती है। लखनऊ में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

बिहार में ठंड दिखा रही तेवर-बिहार में भी ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सुबह, शाम और रात में मौसम काफी ठंडा रहता है। हालांकि, अभी तक शीतलहर का प्रकोप उतना अधिक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को 13 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे दर्ज हुआ। वहीं, राजधानी पटना का न्यूनतम तापमान कल 9.5 डिग्री सेल्सियस रहा। आज यहां तापमान में कुछ सुधार हुआ है जो 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। पटना मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 21 दिसंबर तक राज्य का अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री के आसपास रहेगा। न्यूनतम तापमान 8 से 12 डिग्री के बीच रह सकता है।

तेलंगाना में 7 दिनों तक मौसम शुष्क रहने के आसार-तेलंगाना में अगले 7 दिनों के दौरान मौसम शुष्क बने रहने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र (ढ्ढस्ष्ठ) ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, तेलंगाना में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क बना हुआ है। रविवार और सोमवार की मध्य रात को सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस तेलंगाना के आदिलाबाद में दर्ज किया गया। हालांकि, मंगलवार सुबह में यहां के तापमान में काफी सुधार हुआ है जो कि 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास है।

आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश होने के आसार-उत्तरी-दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश, यानम और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर 24 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया गया हैं। आईएमडी ने बताया गया है कि उत्तरी-दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश, यानम और रायलसीमा के अलग-अलग स्थानों पर अगले 6 दिनों के दौरान मौसम शुष्क रहने के अनुमान हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में कुछ स्थानों पर बारिश हुई और रायलसीमा में मौसम शुष्क रहा। तटीय आंध्र प्रदेश और यानम और रायलसीमा में पूर्वोत्तर मानसून कमजोर पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह में राज्य के ज्यादातर हिस्सों का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आपपास बना हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

काम का समय

संसद शुक्रवार को अप्रिय स्थितियों में उठी थी और सोमवार को भी अप्रिय माहौल ही हावी रहा। लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को आसन की बात न मानने पर निलंबित किया गया। 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में जो चूक हुई थी, उसकी गूंज अभी तक संसद में बनी हुई है। हंगामे के बीच ही विधेयक पर्याप्त बहस के बिना पारित हो रहे हैं। राज्यसभा में सोमवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 पारित हो गया। कुछ ही दलों के नेताओं ने किसी तरह से चर्चा में भाग लिया। हां, महिलाओं से जुड़े विधेयकों पर चर्चा हो सकती थी। भारतीय विधायिका या निकाय में महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ रहा है और इसके लिए बाकायदे कानूनन व्यवस्थाएं खड़ी की जा रही हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करना है। यह केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने का प्रावधान पेश करता है। अनुच्छेद-14 के तहत एक तिहाई सीटें अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। कश्मीर की विधानसभा में भी बड़ी संख्या में महिलाओं का पहुंचना जरूरी ही नहीं, सुखद भी है, पर जब ऐसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित हो रहे थे, तब हंगामा क्यों हो रहा था? खैर, अगली जनगणना के बाद जब परिसीमन होगा, तब कश्मीर ही नहीं, तमाम राज्यों की रूपरेखा बदल जाएगी। केंद्रशासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पुडुचेरी विधानसभा में सभी निर्वाचित सीटों में एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित करता है। ध्यान रहे, ये दोनों विधेयक पिछले हफ्ते ही लोकसभा में पारित हो चुके हैं। अच्छा होता, अगर ये विधेयक हंसी-खुशी पारित होते, तो निचले स्तर पर महिलाओं तक सही संदेश पहुंचता। चिंता की बात है कि पिछला सत्र मणिपुर हिंसा की भेंट चढ़ गया था और यह सत्र संसद की सुरक्षा में चूक की वजह से मुश्किल से चल रहा है। शायद संसद में सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले युवा यही चाहते होंगे कि उनकी कारस्तानी की खूब चर्चा हो। संसद में इन दिनों जो चल रहा है, वह भारतीय लोकतंत्र का बुरा चाहने वालों के मुफीद है। हमारे सांसदों को यह एहसास होना चाहिए। देश के सामने बहुत से काम पड़े हैं, राजनीति ही सब कुछ नहीं है। निचले सदन के लिए चुनाव होने हैं, वहां चुनाव का तनाव स्वाभाविक है, पर राज्यसभा क्यों पटरी से नीचे उतर रही है? चूंकि विपक्ष या खासकर कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि उसे अपने मुद्दों पर अच्छी-खासी संख्या में मत मिले हैं, इसलिए विरोध की तीखी राजनीति को वह शायद जारी रखना चाहती है। पहले केंद्रीय गृह मंत्री से सदन में जवाब मांगा जा रहा था और अब प्रधानमंत्री से भी मांग शुरू हो गई है। जवाब मांगना सही हो सकता है, पर उसके लिए हंगामा करना विचारणीय है। प्रत्यक्ष विपक्ष में मोटे तौर पर 140 सांसद हैं, जबकि करीब 50 सांसद अपेक्षाकृत निष्पक्ष मुद्रा में हैं, जबकि सत्ता पक्ष के पास 325 से ज्यादा सांसदों का बल है। बीते विधानसभा चुनावों ने भी समीकरण को सत्ता पक्ष की ओर झुका दिया है, पर विपक्ष को संयम के साथ अपनी ताकत का इजहार करना चाहिए। यह अड़ने का समय नहीं है, बीच की राह निकालकर चलने का समय है।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

क्या विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल हैं?

कुछ टिप्पणीकारों का तर्क है कि भाजपा की हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के प्रति समर्थन मुख्यतः हिन्दी-भाषी राज्यों या काऊ बेल्ट तक सीमित है। कांग्रेस और अन्य दलों को इस बात तथ्य की ओर भी ध्यान देना चाहिए कि उसके तमाम दावों के बावजूद भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। यदि हम इन पांच राज्यों में डाले गए कुल वोटों की बात करें तो कांग्रेस को 4।92 करोड़ वोट मिले हैं जबकि भाजपा को 4।81 करोड वोट ही हासिल हुए हैं। इसके अलावा मिजोरम, जहां अभी तक एनडीए गठबंधन की सरकार थी, भी उसके हाथ से निकल गया है।

(लेखक- राम पुनियानी)

हाल में संपन्न राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के विधानसभा चुनावों में कई कारणों से पूरे देश की भारी दिलचस्पी थी। भाजपा पिछले दस सालों से केंद्र में सत्ता में है और उसने जो नीतियाँ लागू की हैं, उनका देश पर भयावह प्रभाव पड़ा है। चाहे वह नोटबंदी हो, जीएसटी हो या रातोंरात लागू किया गया कोरोना लॉकडाउन - सबसे आम जनता की खासी फजीहत हुई। देश में सरकारें और ज्यादा तानाशाह होती जा रही हैं और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं पर तरह-तरह की रोकें लगाई जा रही हैं। हंगर इंडेक्स में देश की गिरती हुई स्थिति और लोगों की बढ़ती परेशानियाँ बहुत कुछ बता रही हैं। भाजपा सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को कश्मीर से हटा दिया है। हमें बताया गया था कि इससे अतिवाद कम होगा। मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। देश भर में मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं और अलग-अलग स्थानों पर ईसाईयों के खिलाफ भी हिंसा हो रही है। इस पृष्ठभूमि में विपक्षी पार्टियों ने इंडिया गठबंधन का गठन किया। ऐसा कहा जा रहा था कि यह गठबंधन हमारे संविधान में निहित 'आईडिया ऑफ़ इंडिया' को संरक्षित रखने का प्रयास करेगा। सन 2024 के लोकसभा चुनाव के सिलसिले में इस गठबंधन से बहुत उम्मीदें थीं। मगर ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनावों के नतीजों ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कांग्रेस के राज्य-स्तरीय नेतृत्वों ने मनमानी करते हुए गठबंधन के अन्य दलों की उपेक्षा की। इससे दूसरी पार्टियाँ काफी नाराज़ हो गईं और गठबंधन के और मज़बूत होने की राह बाधित हो गयी। कांग्रेस केवल तेलंगाना में जीत हासिल कर सकी और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में उसे हार का सामना करना पड़ा। ये नतीजे चौंकाने वाले हैं क्योंकि अधिकांश एग्जिट पोल्स ने भविष्यवाणी की थी कि इन राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन कहीं बेहतर रहेगा। इसलिए, कांग्रेस की हार एक पहेली बन गयी है। यह सही है कि यदि कांग्रेस का अन्य राष्ट्रीय एवं छोटे दलों के साथ गठबंधन होता तो उसका प्रदर्शन बेहतर होता। फिर भी, इन राज्यों में उसकी हार का तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता। लोकसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनाते समय इस पहलू पर इंडिया गठबंधन के सदस्यों को ध्यान देना होगा। इन परिणामों का एक पक्ष यह भी है कि अधिकांश दक्षिण भारत भाजपा मुक्त हो गया है। कुछ टिप्पणीकारों का तर्क है कि भाजपा की हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के प्रति समर्थन मुख्यतः हिन्दी-भाषी राज्यों या काऊ बेल्ट तक सीमित है। कांग्रेस और अन्य दलों को इस बात तथ्य की ओर भी ध्यान देना चाहिए कि उसके तमाम दावों के बावजूद भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। यदि हम इन पांच राज्यों में डाले गए कुल वोटों की बात करें तो कांग्रेस को 4।92 करोड़ वोट मिले हैं जबकि भाजपा को 4।81 करोड वोट ही हासिल हुए हैं। इसके अलावा मिजोरम, जहां अभी तक एनडीए गठबंधन की सरकार थी, भी उसके हाथ से निकल गया है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटने के बारे में भी कयास लगाए जा रहे हैं। यह कार्यकर्ताओं की त्वरित प्रतिक्रिया हो सकती है। लेकिन समय बीतने के साथ पार्टी कार्यकता, तेलंगाना की जीत और प्रतिद्वंद्वी भाजपा की तुलना में अच्छे खासे अधिक वोट हासिल करने को लेकर दुबारा जोश में आ सकते हैं। समय के साथ निराशा का भाव समाप्त हो जाएगा क्योंकि नेतृत्व स्थिति का सामना करने का हर संभव प्रयास कर रहा है। 'भारत जोड़ो यात्रा' इस दिशा में एक बड़ा कदम थी। पर्दे के पीछे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और जोश पुनर्जीवित होने से पार्टी के उत्साह पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशा की जा सकती है। महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि क्या वे सभी दल, जो इंडिया गठबंधन में शामिल थे, एक बार फिर गठबंधन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे? चुनाव के नतीजों से इंडिया गठबंधन को धक्का लगा है। इन तीन बड़े राज्यों में कांग्रेस की हार से कांग्रेस नेतृत्व चिंतन करेगा और उन गलतियों को सुधारने का प्रयास करेगा जिनके चलते गठबंधन के अन्य सदस्य नाराज हैं। विपक्षी दल यह अच्छी तरह जानते हैं कि वे अलग-अलग रहकर भाजपा की विशालकाय चुनावी मशीनरी का मुकाबला नहीं कर सकते। भाजपा के पास मानव संसाधन और धन प्रचुर मात्रा में हैं और उसमें दादागिरी करने की भी बहुत क्षमता है। मीडिया भी केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के चरणों में नतमस्तक है। विपक्षी दलों को यह एहसास भी है कि भाजपा अकेली नहीं है। उसे आरएसएस के प्रचारकों और स्वयंसेवकों की पूरी सहायता उपलब्ध है। वे यह भी जानते हैं कि आरएसएस के सहयोगी संगठन वीएचपी, एबीव्हीपी, बजरंग दल, वनवासी कल्याण आश्रम और उससे जुड़ी अन्य संस्थाएं हर चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। चुनावी बांडों से प्राप्त अकूत धन, हिन्दू राष्ट्रवादी विचारधारा को एनआरआई का समर्थन और बड़े उद्योग समूह, जिन्हें भाजपा बहुत तरह की छूटें दे रही हैं, सब भाजपा के मददगार हैं। इस तथ्य से भी वे अवगत हैं। विपक्षी दलों को यह अहसास भी है कि भाजपा देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर ले जाना चाहती है। वह खुलकर और दबे-छुपे ढंग से भारतीय संविधान के मूल्यों को कमजोर कर रही है। ईडी, आयकर विभाग व सीबीआई का विपक्षी पार्टियों के नेताओं को प्रताड़ित करने में जिस तरह दुरुपयोग किया जा रहा है, वह भी इन पार्टियों को एक साथ लाने में मददगार होगा। हाँ, सभी को कुछ खोने और कुछ पाने के लिए तैयार रहना होगा। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व, विशेषकर राहुल गाँधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मिलकर चुनाव लड़ने के लिए ज़रूरी त्याग करने के लिए तैयार हैं। विधानसभा चुनावों में वे भले ही राज्य स्तरीय नेतृत्व को सभी पार्टियों के साथ सहयोग करने के लिए राजी न कर पाए हों लेकिन लोकसभा चुनाव में ऐसा नहीं होगा। राहुल गाँधी ने कहा है कि विपक्ष को एक रखने के लिए कांग्रेस कोई भी त्याग करने के लिए तैयार है। उन्होंने बिलकुल ठीक कहा है कि आने वाला आम चुनाव केवल चुनाव न होकर वैचारिक युद्ध होगा। अभी ऐसा लग सकता है कि विभिन्न विपक्षी दल अलग-अलग दिशा में भाग रहे हैं। मगर सम्भावना यही है कि लोकसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही इंडिया गठबंधन की मज़बूत बना लिया जायेगा और वह भाजपा-आरएसएस की विघटनकारी राजनीति से मुकाबला करने में सक्षम हो जायेगा। बहुसंख्यकवादी राजनीति द्वारा जिस ढंग की नफरत फैलाई जा रही है वह प्रजातंत्र को लम्बे समय तक जीवित नहीं रहने देगी। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि शैक्षणिक संस्थाओं सहित राज्य तंत्र की विभिन्न संस्थाओं में हिन्दू राष्ट्रवादियों की घुसपैठ गंभीर चिंता का विषय है। इन सारे मुद्दों पर विचार कर विपक्ष एक होगा, हम यह मान सकते हैं। और अगर वह एक हो गया तो चुनाव जीतना उसके लिए बहुत मुश्किल नहीं होगा। चुनाव में विजय, देश को हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के चंगुल से निकलने की दिशा में पहला कदम होगा।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया; लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

निवेश में अतिरिक्त सावधानी से ही सुरक्षा

मधुरेन्द्र सिन्हा

शेयर बाजारों में खासी तेजी है। सेंसेक्स उन ऊंचाइयों पर जा पहुंचा है जहां निवेशकों के वारे-न्यारे हो रहे हैं। इसी तेजी को देखते हुए बड़े पैमाने पर आईपीओ यानी पब्लिक इश्यू लाये जा रहे हैं। वर्ष 2013 में इतनी कंपनियों के आईपीओ आये कि एक रिकॉर्ड हो गया। लगभग सभी क्षेत्रों की कंपनियों ने इस मार्केट में गोता लगाया, जिनमें कुछ कंपनियां तो ऐसी भी थीं जो महज अपने वैल्यूएशन के बल पर मैदान में उतरी थीं। बाद में उनका मुलम्मा उतर गया और उनके निवेशकों की आंखों में आंसू आ गये। बहरहाल, यह कवायद जारी है और बड़े पैमाने पर पब्लिक इश्यू बाजार में आ रहे हैं। इनमें से तो कई ऐसे हैं जिन्हें 2023 में ही आना था, लेकिन वे आ नहीं पाये और अब नये साल में कदम रखेंगे। इनकी भी तादाद अच्छी-खासी है और कइयों का वज़न भी खूब है। अभी और 2024 में कई कंपनियां प्राइमरी मार्केट में आ रही हैं। आशय यह है कि प्राइमरी मार्केट में इस समय काफी भीड़ है और हर कंपनी इसका फायदा उठा लेना चाहती है। काफी समय से लंबित कंपनियां भी अब जाग्रत हो गई हैं और अपने-अपने इश्यू लेकर आ रही हैं। अब लाख टके का सवाल है कि व्यक्तिगत निवेशक कहां जाये और क्या खरीदारी करे? आम निवेशक बहुत समझदार नहीं होता है और न ही उसे पैसे का गणित समझ में आता है। वह अपने पैसे दुगने-तिगने करने के बारे में सोचता है और जिस कंपनी की चमक-दमक उसे दिखती है, वह उसमें ही पैसे लगा देता है। बाद में उसे पछतावा होता है कि कैसे एक जानी-मानी कंपनी में पैसे लगाने के बाद उसकी रातों की नींद हराम हो गई। प्राइमरी मार्केट का फॉर्मूला हर किसी की समझ में नहीं आता है और लोग परेशान होते रहते हैं। इसका कारण है कि आईपीओ बाजार में उतरी हर कंपनी अपने ढंग से दावे करती है और उनके पीछे ब्रोकर तथा अन्य तरह की वित्तीय कंपनियां भी होती हैं जिन्हें अंडरराइटर कहते हैं। इनके सहारे उनका तो बेड़ा पार हो जाता है लेकिन बेचारा निवेशक फंस जाता है। अगर आप याद करें तो याद आयेगा। नब्बे का दशक। उस समय शेयर बाजारों में एक तूफान आया था जिसमें निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। उस समय सेबी के नियम-कानून ऐसे थे कि कोई भी कंपनी शेयर बाज़ार में उतर सकती थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सैकड़ों कंपनियां न्यूनतम योग्यताओं के साथ बाजार में उतरीं और उसमें से ज्यादातर पैसे बटोरकर फरार हो गईं। इन्हें फ्लाई बाई नाइट कंपनियां कहा जाता था क्योंकि आईपीओ के पैसे बैंक में आते ही ये फुर्र हो जाती थीं और फिर उनके ऑफिस में ताला लग जाता था। ऐसी कई कंपनियों ने मर्चेंट बैंकर्स के साथ मिलकर शेयर बेचे, जिनसे निवेशकों के पैसे डूब गये। सरकारी एजेंसियां इन कंपनियों के प्रमोटरों को ढूंढती रह गईं लेकिन उनमें से कई तो भारत छोड़कर जा चुके थे। दरअसल, जब निवेशकों ने शोर मचाना शुरू किया और मीडिया में खुलकर बात सामने आने लगी तो फिर सरकार जागी। सेबी ने नियम बदलने शुरू कर दिये। शेयर बाज़ार में उतरने की पात्रता में काफी बदलाव किये गये। उन कंपनियों को आने से रोक दिया गया जो कम से कम तीन साल से काम न कर रही हों और उनके बैलेंस शीट में लाभ न दिख रहा हो। इसका परिणाम यह हुआ कि एक बाधा आ गई। इसके अलावा डीमैटिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। हालांकि शुरू में इसका बाज़ार पर बुरा असर पड़ा क्योंकि लोग शेयरों को डीमैट करने से हिचकिचा रहे थे। सेबी ने शेयर बाज़ार में उतरने वाली कंपनियों की आर्थिक सेहत के बारे में कई तरह की शर्तें रखीं जिससे वे गड़बड़ नहीं कर पायें। इन कदमों का फायदा हुआ और आईपीओ की बाढ़ रुक गई। हालांकि, इस समय पहले जैसे हालात नहीं हैं लेकिन कई कंपनियां अपना खेल कर ही जाती हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां भी इनमें शामिल हैं। ये शेयर बाजार से पैसे तो उगाह लेती हैं लेकिन पैसे फिर इधर-उधर लगा देती हैं। एक बहुत बड़े प्राइवेट बैंक की एक सहयोगी कंपनी को इसमें काफी जुर्माना लगा क्योंकि उसने आईपीओ से प्राप्त राशि दूसरी कंपनी में लगा दी जबकि सेबी के कानूनों के अनुसार यह गलत है। इस तरह के कई मामले सामने आये और सेबी ने कार्रवाई की। लेकिन फिर भी कुछ कंपनियों ने अपनी आर्थिक हैसियत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई। आंकड़ों में एक तरह से हेराफेरी की और अपने को जबर्दस्त विज्ञापनों के साथ पेश किया। इनमें से कई चर्चित शेयरों के निवेशकों को जबर्दस्त धक्का लगा। इन कंपनियों के वैल्यूशन बहुत ज्यादा किये गये थे जो बढ़ा-चढ़ाकर पेश किये गये थे। निवेशकों ने इनमें खुलकर पैसा लगाया और बदले में बुरी तरह से मार खाई। पेटीएम के शेयरों में जो गिरावट आई उसका खमियाजा निवेशकों ने भुगता। निवेशकों को खासा चूना लगा है। आईपीओ लाने के समय में कंपनी ने अपना वैल्यूशन इतना ज्यादा बताया जिससे निवेशक फंस गये और अब इससे निकलने का कोई जरिया नहीं है। फैशन की दुनिया में एक कंपनी का उदय हुआ जिसका नाम है नायका। इसकी पब्लिसिटी जमकर हुई और कंपनी ने 5,235 करोड़ रुपये का अपना पब्लिक इश्यू जारी किया। लेकिन लिस्टिंग के बाद इसके शेयर आधे से कम दाम पर चले गये। निवेशकों की गाढ़ी कमाई लुट गई और निकट भविष्य में उनकी वापसी का रास्ता नहीं है। बजाज कॉर्प भी एक उदाहरण है जिसने स्टॉक मार्केट में धूम-धड़ाके से प्रवेश किया। बाद में उसके शेयर औंधे मुंह गिर गये। ऐसी कंपनियों की सूची लंबी है और निवेशक उसमें फंसे पड़े हैं। इसके कई कारण हैं जिनमें सबसे बड़ा कारण है कंपनियों द्वारा अपने वैल्यूशन को ऊपर उठाना। ये कंपनियां अपना वैल्यूशन काफी ऊंचा रखती हैं, चाहे प्रॉफिट हो न हो। यह एक नया ट्रेंड है और इससे वे शेयर बाजार में ऊंचे दामों में अपने शेयर बेचने में कामयाब हो जाती हैं। दूसरी ओर निवेशक भी लालच में आ जाता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विचार मंथन

बिना चर्चा बिल पारित कराने? 3 दिन में 92 सांसद निलंबित

(लेखक- सनत जैन)

संसद के शीतकालीन सत्र में बहुत महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा होनी थी। बिलों पर यदि चर्चा होती, तो सरकार के लिए मुश्किलें बढ़तीं। संसद में जिस बिल पर 15 घंटे चर्चा करानी थी, वह बिल मात्र 5 से 6 मिनट में पारित हो गया। संसद में जो हंगामा चल रहा है। वह सत्ता पक्ष का प्रायोजित तरीका है। सत्ता पक्ष द्वारा जानबूझकर विपक्ष को उत्तेजित कर दिया जाता है, उत्तेजित विपक्ष को चर्चा में भाग लेने की बजाय हो हल्ला और हंगामा करने के लिए बाध्य कर दिया जाए। हंगामे के बीच बिल पारित करा लिए जाएं। ऐसे बहुत से बिल, मनी बिल के रूप में पेश किए जा रहे हैं। जो मनी बिल के रूप में पेश नहीं हो सकते हैं, आसंदी भी इसमें गफलत बरत रही है। जो सत्ता पक्ष को ऐसा करने दे रही है। हल्ला और हो-हंगामा के बीच में बहुमत के आधार पर बिल पास करने का सत्ता पक्ष ने यह एक अलग तरीका निकाला है। संसद में हमला हुआ था। इस हमले में युवाओं ने प्रदर्शन कर महंगाई और बेरोजगारी से संबंधित मांग उठाई थी। इस हमले में किसी का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आतंक का वातावरण जरूर बना। उस हमले को लेकर विपक्ष की मांग है, कि गृहमंत्री सदन में आकर अपना वक्तव्य दें। उस पर चर्चा की जाए। सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष की यह मांग नहीं मानी गई, जिसके कारण सदन के दोनों सदनों में पिछले चार दिनों से हंगामा हो रहा है। दोनों सदनों से महज तीन दिन में 92 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। जो स्वतंत्रता के बाद से अभी तक का सांसदों को निलंबित किए जाने का एक सबसे बड़ा रिकॉर्ड बन गया है। इसके बाद भी प्रधानमंत्री और गृहमंत्री संसद के बाहर मीडिया और कार्यक्रम के दौरान संसद पर हुए हमले के बारे में जानकारी देते हैं। सदन के अंदर चर्चा के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में यह गतिरोध जानबूझकर बनाया गया है। यह स्वाभाविक प्रतिरोध नहीं है। सत्ता पक्ष चाहता है, कि सदन की कार्रवाई के दौरान हो-हल्ला और हंगामा होता रहे। विपक्ष के हो-हल्ला के बीच सरकार अपने बिल संसद द्वारा बिना चर्चा के पास कर लिए जाएं। जब सारे बिल पास हो जाएंगे, तब सदन की कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी जाएगी। पिछले कई सत्रों में भी यही देखने को मिला है। वैसे भी मौजूदा सरकार के कार्यकाल का यह आखिरी सत्र है। इसके बाद आम चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष को जाना होगा। बहरहाल जो घटनाएं संसद के अंदर हो रही हैं, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था और भारतीय संविधान एवं संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं हैं। शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करते हुए बेल पर आ जाना और तख्ती लेकर प्रदर्शन करने के विरोध में 92 सांसदों का निलंबन मात्र तीन दिनों में कर देना। इसे बहुमत का दुरुपयोग ही माना जा सकता है। ठीक है, अभी आप सत्ता में हैं, बहुमत में हैं, बहुमत के आधार पर सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इससे आसन्दी की गरिमा भी कम हो रही है। आसंदी पर पक्षपात के आरोप लग रहे हैं। जैसा स्कूल और कॉलेज में भी छात्रों के साथ शिक्षक और प्रिंसिपल नहीं कर पाते हैं, वैसा व्यवहार राज्यसभा और लोकसभा की आसन्दी द्वारा सांसदों को नियंत्रित करने के लिए किया जा रहा है। इससे सांसदों और संसद की गरिमा भी गिर रही है। यह सारा देश देख रहा है। सदन में बहुमत के आधार पर सत्ता पक्ष ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। वहीं विपक्ष की मांग को अनसुना करते हुए विपक्ष को एक तरह से, उनके अल्पमत होने का एहसास करने का काम भी सत्ता पक्ष और आसंदी द्वारा किया जा रहा है। यह अभी सही ठहराया जा सकता है, लेकिन आने वाले वक्त में जिस तरह से संसदीय परंपराओं और गरिमा का अपमान हो रहा है। संसदीय गरिमा तार-तार हो रही है। संसद की आसंदी को विवादास्पद बनाया जा रहा है। इसका असर आने वाले समय में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के ऊपर ही पड़ने वाला है। जो नियम कायदे कानून बनाए जा रहे हैं। उनमें बार-बार संशोधन करना पड़ रहा है। जनता की आवाज जब संसद के अंदर नहीं सुनी जाएगी। बिना बहस के कानून बनाए जाएंगे। बिल पास करते समय सभी पक्षों को नहीं सुना जाएगा। मीडिया द्वारा जनता की आवाज नहीं उठाई जाएगी। उसका दुष्परिणाम है, जो संसद में आतंक की घटना हुई है। महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त युवाओं ने विरोध करने का जो तरीका अपनाया है। वह कभी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ अपनाया था। उस समय भी जनता को अपना पक्ष रखने की आजादी नहीं थी। कुछ इसी तरह की स्थितियां अभी देखने को मिलने लगी हैं। इसके दुष्परिणाम जल्द ही देश के सामने आ सकते हैं। जब संसद चुप हो जाती है। तब जनता बगावती हो जाती है। और जब बगावती जनता सड़कों पर आ जाती है, तो उसको नियंत्रित कर पाना संभव नहीं होता है। यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है। भारत में कभी भी बगावत ओर क्रांति का इतिहास नहीं है, लेकिन अब यह स्थिति बनने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का निर्यात इस वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में 2.8 प्रतिशत घटा

- चीन, सऊदी अरब समेत प्रमुख पांच देशों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली । भारत के निर्यात में इस वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के दौरान 2.8 प्रतिशत की गिरावट आई है लेकिन प्रमुख 10 देशों में से पांच देशों सऊदी अरब, चीन, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड को निर्यात बढ़ा है। वाणिज्य मंत्रालय के संकलित आंकड़ों के अनुसार भारत के कुल वस्तु निर्यात में इन शीर्ष 10 देशों की हिस्सेदारी 49 फीसदी से अधिक है। भारत के तीसरे सबसे बड़े निर्यात मार्केट नीदरलैंड से अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत बढ़कर 13.5 अरब डॉलर हो गया। हालांकि नवंबर तक अलग-अलग देश-वार व्यापार के आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। पहले सात महीने के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार निर्यात की वृद्धि को गति मुख्य तौर पर पेट्रोलियम उत्पादों सहित मशीनरी से मिली है भारत के चौथे सबसे बड़े निर्यात साझेदार चीन से सालाना आधार पर करीब 4 प्रतिशत बढ़कर 10.3 अरब डॉलर हो गया जबकि इस पड़ोसी देश को अप्रैल-जुलाई के दौरान निर्यात में गिरावट आई थी। हालांकि यह रुझान ऑस्ट्रेलिया के मामले में अगस्त के बाद पूरी तरह पलट गया। ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के मामले में सकारात्मक वृद्धि क्रमशः 14.6 प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत हुई। इन देशों को निर्यात में वृद्धि पेट्रोलियम, वस्त्र, खाद्य उत्पादों की मशीनरी सहित अन्य वस्तुओं के कारण हुआ। सऊदी अरब को अप्रैल से नवंबर के दौरान निर्यात 2.2 प्रतिशत बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया। दूसरी तरफ, शेष पांच देशों को निर्यात गिर गया। इस क्रम में अमेरिका (-5.2 प्रतिशत), यूएई (-0.1 प्रतिशत), सिंगापुर (-1.87 प्रतिशत), बांग्लादेश (-14.1 प्रतिशत) और जर्मनी (-6.3 प्रतिशत) को निर्यात घटा था। इससे देश के कुल निर्यात में गिरावट आई। भारत का वस्तु निर्यात नवंबर में गिरकर नकारात्मक दायरे में आ गया था जबकि इससे पिछले महीने अक्टूबर में 11 महीनों के दौरान सबसे तेज गति से बढ़ा था। इससे वैश्विक मांग और असामान्य आर्थिक सुधार का संकेत मिलता है।

जापान के केंद्रीय बैंक ने अपनी नकारात्मक ब्याज दर नहीं बदली

- बैंक ने कहा, ब्याज दर बढ़ाने से पहले कीमत तथा वेतन रुझानों पर नजर रखेगा

बैंकॉक । इ बैंक ऑफ जापान (बीओजे) ने अपनी ऋण नीति में मंगलवार को कोई बदलाव नहीं किया और कहा कि वह अपनी नकारात्मक ब्याज दर बढ़ाने से पहले कीमत तथा वेतन रुझानों पर नजर रखेगा। हालांकि निवेशकों और विश्लेषकों का मानना है कि केंद्रीय बैंक मूल्य वृद्धि के कारण बदलाव की ओर कदम बढ़ा रहा है, जिससे मुद्रास्फीति अपने दो प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी है। बीओजे के मंगलवार के फैसले के बाद जापानी येन के मुकाबले अमेरिकी डॉलर में तेजी आई और शेयरों की कीमतें बढ़ गईं। नकारात्मक 0.1 प्रतिशत की नीतिगत दर का उद्देश्य बैंकों को अधिक ऋण देने और व्यवसायों तथा उपभोक्ताओं को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अधिक उधार लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। जापान में मुद्रास्फीति बढ़ी है लेकिन अमेरिका की तुलना में बहुत धीमी गति से, साथ ही अमेरिकी डॉलर, जापानी येन के मुकाबले चढ़ा है। इससे येन की क्रय शक्ति कम हो गई है, जिससे ऊर्जा तथा अन्य वस्तुओं की लागत बढ़ गई है। अमेरिकी डॉलर के जापानी येन के मुकाबले चढ़ने की वजह मुद्रास्फीति का मुकाबला करने के लिए दरें बढ़ाना है। बीओजे के गवर्नर काजुओ उएदा दरें बढ़ाने को लेकर सतर्क हैं। उनका कहना है कि वेतन वृद्धि बढ़ती कीमतों से पीछे रह गई है और मुद्रास्फीति का तय लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आवास निवेश कमजोर बना हुआ है और सरकारी खर्च सपाट है। बीओजे ने कहा कि देश और विदेश में अर्थव्यवस्थाओं तथा वित्तीय बाजारों को लेकर अत्यधिक अनिश्चितताओं के बावजूद बैंक धैर्यपूर्वक मौद्रिक सहजता जारी रखेगा। केंद्रीय बैंक अपनी रणनीति की समीक्षा कर रहा है, लेकिन मात्रात्मक सहजता के अपने मौजूदा रुख को छोड़ने की जल्दबाजी नहीं करेगा।

भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी: आईएमएफ

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सोमवार देर रात कहा कि देश भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। आईएमएफ ने एक परामर्श रिपोर्ट में कहा कि देश का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और एक मजबूत सरकारी बुनियादी ढांचा कार्यक्रम विकास को बनाए रखना जारी रखेगा। आईएमएफ की यह रिपोर्ट देश के वर्तमान और मध्यम अवधि के आर्थिक दृष्टिकोण की समीक्षा करती है। आईएमएफ ने कहा कि यदि व्यापक सुधार लागू किए जाते हैं, तो श्रम और मानव पूंजी के अधिक योगदान के साथ भारत में और भी अधिक विकास की संभावना है। 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले चालू वित्तीय वर्ष के लिए आईएमएफ का विकास अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 7 प्रतिशत पूर्वानुमान से कम है। आईएमएफ ने कहा कि महंगाई धीरे-धीरे लक्ष्य तक कम होने की उम्मीद है। हालांकि खाद्य कीमतों के झटके के कारण यह अस्थिर बनी हुई है। अस्थिर खाद्य कीमतों ने नवंबर में खुदरा महंगाई को पिछले महीने के 4.87 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.55 प्रतिशत कर दिया।

जबकि यह आरबीआई के 2 प्रतिशत-6 प्रतिशत के सहनशीलता बैंड के भीतर था, यह 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बना हुआ है।

दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल के लिए एडीबी 25 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने दिल्ली और मेरठ रीजनल रैपिड रेल (आरआरटीएस) गलियारे बनाने और औद्योगिक गलियारे को विकसित करने के लिए 25-25 करोड़ डॉलर के दो कर्जों को स्वीकृति दी है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 82 किलोमीटर लंबे आरआरटीएस गलियारे को बनाने के लिए एडीबी 25 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराने जा रहा है। एडीबी ने वर्ष 2020 में आरआरटीएस के निर्माण के लिए 104.9 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण कई चरणों में उपलब्ध कराने पर सहमति जताई थी। पहली किस्त में 50 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी ने कर्ज समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि इस निवेश से आरआरटीएस शहरी परिवहन में सुधार ला पाएगा और इससे महिलाओं एवं दिव्यांगों को भी आर्थिक लाभ होंगे। एडीबी ने विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने और राष्ट्रीय आपूर्ति श्रंखला को सशक्त करने के लिए औद्योगिक गलियारा विकास के लिए भी 25 करोड़ डॉलर के एक कर्ज को मंजूरी दी है। इस सबप्रोग्राम-2 से परिवहन, लॉजिस्टिक एवं शहरी सुविधाओं से औद्योगिक गलियारों को लैस करने में मदद मिलेगी।

जेडईईएल विलय अनुरोध की तारीख बढ़ाने सहमत नहीं: सोनी

नई दिल्ली । सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने कहा कि वह अभी तक जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के विलय के अनुरोध की समय सीमा बढ़ाने पर सहमत नहीं हुआ है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने कहा कि वह जेडईईएल की अन्य महत्वपूर्ण समापन शर्तों को पूरा करने की योजना जानने को इच्छुक हैं। बयान में कहा गया कि जी के 17 दिसंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया को भेजे नोटिस में विलय की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया। विलय की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध इस बात को दर्शाता है कि वे एसपीएनआई, जी का विलय 21 दिसंबर 2023 की समय सीमा तक पूरा नहीं कर पाएंगे। कंपनी ने कहा कि एसपीएनआई को सभी मुद्दों पर अभी चर्चा करनी है और वह समय सीमा बढ़ाने के लिए अभी सहमत नहीं हुआ है। बयान के अनुसार हम जी के प्रस्ताव और वे अन्य महत्वपूर्ण समापन शर्तों को कैसे पूरा करेंगे यह जानने को इच्छुक है। जीईईएल से ताजा घटनाक्रम पर कोई तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 122 अंक , निफ्टी 34.45 अंक बढ़कर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज में हुई खरीददारी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 122.10 अंक करीब 0.17 फीसदी ऊपर आकर 71,437.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 308.62 अंक उछलकर अपने शीर्ष स्तर 71,623.71 अंक पर पहुंच गया था। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी कारोबार के दौरान 86.4 अंक तकरीबन 0.40 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 21,505.05 अंक तक आया। अंत में यह 34.45 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी बढ़कर 21,453.10 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल नेस्ले, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावर ग्रिड और बजाज फाइनेंस के शेयर ऊपर आये हैं।

दूसरी ओर विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व और मारुति के शेयर गिरे हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त में जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को बढ़त का माहौल देख गया। वैश्विक स्तर पर तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 फीसदी टूटकी 77.72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगातार लिवाली के बाद गत दिवस 33.51 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले और इसके बाद इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने जल्द ही बढ़त खो दी और अनिश्चित पूर्वाग्रह के साथ कारोबार करते देखा गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 71,569 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, लेकिन जल्द ही 71,304 के निचले स्तर तक फिसल गया।

भारत का 2023 में आवक प्रेषण 12.3 प्रतिशत बढ़कर 125 बिलियन डॉलर रहा

मुंबई ।

विश्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में आवक प्रेषण 12.3 प्रतिशत बढ़कर 125 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2022 में 111.22 बिलियन डॉलर था। भारत का आवक प्रेषण अब देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.4 प्रतिशत है। विश्व बैंक की माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ में कहा गया है कि भारत विश्व स्तर पर प्रेषण का सबसे अधिक प्राप्तकर्ता बना हुआ है, इसके बाद मैक्सिको (67 बिलियन डॉलर) और चीन (50 बिलियन डॉलर) हैं। वर्तमान में दक्षिण एशिया में भेजने वाले कुल प्रेषण में भारत की हिस्सेदारी 66 प्रतिशत है, जो 2022 में 63 प्रतिशत से अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, प्रेषण की वृद्धि दर लैटिन अमेरिका और कैरेबियन (8 प्रतिशत) में सबसे अधिक है, इसके बाद दक्षिण एशिया (7.2 प्रतिशत) और पूर्वी एशिया और प्रशांत (3 प्रतिशत) का स्थान है। भारत में बढ़ते प्रेषण के पीछे मुख्य वजह मुद्रास्फीति में गिरावट और उच्च आय वाले देशों में मजबूत श्रम बाजार हैं, जिसने अमेरिका, ब्रिटेन और सिंगापुर में कुशल भारतीयों से प्रेषण को बढ़ावा दिया। भारत में कुल प्रेषण प्रवाह में इन तीन देशों का हिस्सा 36 प्रतिशत है। खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) से उच्च प्रवाह ने भी वृद्धि में योगदान दिया, विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से, जो भारत के कुल प्रेषण का 18 प्रतिशत हिस्सा है, जो अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में प्रेषण प्रवाह को सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने और भुगतान और मैसेजिंग सिस्टम को इंटरलिंक करने के लिए सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ फरवरी 2023 के समझौते से विशेष रूप से लाभ हुआ। सीमा पार लेनदेन में दिरहम और रुपये का उपयोग औपचारिक चैनलों के माध्यम से अधिक प्रेषण को प्रसारित करने में सहायक होगा। एक अन्य महत्वपूर्ण कारक दक्षिण एशिया में कम प्रेषण लागत है। 4.3 प्रतिशत पर, दक्षिण एशिया में 200 डॉलर भेजने की लागत 2023 की दूसरी तिमाही में वैश्विक औसत 6.2 प्रतिशत से 30 प्रतिशत कम है। वास्तव में, मलेशिया से भारत तक प्रेषण लागत दुनिया में सबसे सस्ता 1.9 प्रतिशत है।

बीईई का आठ साल पुराने एसी बदलने का सुझाव

नई दिल्ली । बिजली मंत्रालय के अंतर्गते आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने आठ साल से अधिक पुराने एयर कंडीशनर को आधुनिक ऊर्जा कुशल उपकरण से बदलने का सुझाव दिया है। इस पहल का उददेश्य 2030-31 तक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक बीईई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक कार्यशाला के दौरान किफायती एसी और घरों को ठंडा रखने वाले अन्य उपकरणों (एएचईएडी) के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया। इस कार्यशाला का आयोजन विश्व बैंक के साथ मिलकर उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने किया था। उन्होंने आठ साल से अधिक पुराने एयर कंडीशनरों को आधुनिक और कम बिजली खपत करने वाले (पांच सितारा) एसी से बदलने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे 2030-31 तक कार्बन उत्सर्जन में पर्याप्त कमी लाई जा सकेगी।

जनधन योजना से अब तक 51 करोड़ लोगों को हुआ लाभ: वित्त मंत्रालय

- योजना के कुल लाभार्थियों में से 55.5 प्रतिशत महिलाएं हैं

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) ने बैंकिंग सेवाओं से वंचित नागरिकों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इससे अब तक लगभग 51 करोड़ लोगों को लाभ हो चुका है। पीएमजेडीवाई को 28 अगस्त, 2014 को वित्तीय समावेश के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य बैंक सुविधा से वंचित हर वयस्क को बैंक सुविधाओं और बुनियादी बैंक खातों तक पहुंच मुहैया कराना था। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि इस योजना के कुल लाभार्थियों में से 55.5 प्रतिशत महिलाएं हैं। मंत्रालय के मुताबिक 22 नवंबर तक इन खातों में कुल 2.10 लाख करोड़ रुपये जमा थे। हालांकि इस योजना के तहत खोले गए कुल 4.30 करोड़ खातों में शून्य राशि ही जमा थी। इसकी वजह यह है कि जनधन खातों में कोई भी न्यूनतम राशि रखने की बाध्यता नहीं है। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दिए गए दो लाख रुपये के दुर्घटना बीमा से 41 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को फायदा पहुंचा है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ने 18 करोड़ से अधिक लाभार्थियों और उनके परिजनों को लाभान्वित किया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार की पहल से पारदर्शी और स्मार्ट बैंकिंग के जरिये ग्राहकों की पहुंच और संतुष्टि सुनिश्चित की जा रही है। इसके मुताबिक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) मार्च 2023 में घटकर 1.36 लाख करोड़ रुपये (0.95 प्रतिशत) रह गई जबकि पहले यह 2.04 लाख करोड़ रुपये (1.67 प्रतिशत) थी।

वेदांता ने 2023 के चौथे डिविडेंड का ऐलान किया

- निवेशकों को दिया 11 रुपये का डिविडेंड

नई दिल्ली ।

अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांत लिमिटेड ने 2023 के चौथे डिविडेंड का ऐलान किया है। वेदांत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1 रुपये की फेस वैल्यू पर 1100 फीसदी डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी हर शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड देगी। स्टॉक एक्सचेंज की फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि उसने 4,089 करोड़ रुपये के डिविडेंड के भुगतान के लिए 27 दिसंबर, 2023 की तारीख को रिकॉर्ड तिथि के लिए निर्धारित किया है। 18 दिसंबर को कंपनी के बोर्ड ऑफ डॉयरेक्टर्स की मीटिंग में दूसरे अंतरिम डिविडेंड को मंजूरी दी गई। इसके तहत कंपनी ने 1 रुपए के फेस वैल्यू पर 11 रुपए प्रति शेयर का ऐलान किया। इसका मतलब यह है कि वेदांत लिमिटेड में निवेश करने वाले शेयरहोल्डर्स जितने भी शेयर खरीदे होंगे, उन्हें वेदांत की तरफ से 11 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड मिलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक 14 दिसंबर को कंपनी द्वारा अंतरिम डिविडेंड घोषित करने के बाद से वेदांत के शेयरों में लगभग 4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 18 दिसंबर को बीएसई पर कंपनी के शेयर 1.34 फीसदी चढ़कर 260.60 के लेवल पर बंद हुए। वहीं एनएसई पर भी कंपनी के शेयरों में 3.80 अंकों का उछाल देखने को मिला। कंपनी के शेयर 1.48 फीसदी उछलकर 261 रुपये पर बंद हुए। गौरतलब है कि वेदांत लिमिटेड 2023 में शेयरहोल्डर्स को 3 डिविडेंड दे चुकी है। पहला डिविडेंड कंपनी ने 23 जनवरी को दिया था। कंपनी ने प्रति शेयर पर 12.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। इसके बाद 23 मार्च को 20.50 रुपये का डिविडेंड और 18 मई को 18.50 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड दिया गया था।

चालू विपणन वर्ष में चीनी उत्पादन 11 फीसदी कम हुआ

नई दिल्ली ।

चालू विपणन वर्ष की एक अक्टूबर से 15 दिसंबर के दौरान भारत में चीनी उत्पादन सालाना आधार पर 11 फीसदी कम होकर 74.05 लाख टन रह गया। इसका मुख्य कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में कम उत्पादन है। एक उद्योग संगठन इस्मा ने यह जानकारी दी। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक होता। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के अनुसार चालू विपणन वर्ष 2023-24 में 15 दिसंबर तक चीनी उत्पादन 74.05 लाख टन तक रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 82.95 लाख टन था। चालू कारखानों की संख्या सालाना आधार पर 497 ही है। इस्मा के अनुसार इस वर्ष महाराष्ट्र और कर्नाटक की चीनी मिल में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10-15 दिन बाद काम शुरू हुआ। उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन विपणन वर्ष 2023-24 के 15 दिसंबर तक बढ़कर 22.11 लाख टन हो गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 20.26 लाख टन था। इस्मा के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 33.02 लाख टन से घटकर 24.45 लाख टन रह गया। कर्नाटक में उत्पादन 19.20 लाख टन से घटकर 16.95 लाख टन हो गया। इस्मा ने पिछले हफ्ते अनुमान लगाया था कि विपणन वर्ष 2023-24 में कुल चीनी उत्पादन 325 लाख टन होने की उम्मीद है। देश के पास 56 लाख टन का भंडारण है। खपत 285 लाख टन रहने का अनुमान है। घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों पर रोकथाम करने के लिए सरकार ने चालू विपणन वर्ष में चीनी निर्यात की अनुमति नहीं दी है। विपणन वर्ष 2022-23 में भारत ने 64 लाख टन चीनी का निर्यात किया था।

सरकार ने डीजल और कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

- नई टैक्स दरें मंगलवार 19 दिसंबर से लागू

नई दिल्ली ।

सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल और डीजल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में उल्लेखनीय कटौती की है। एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के अनुसार घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाने वाला कर 5,000 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,300 रुपये कर दिया गया है। डीजल के निर्यात पर एसएईडी को 1 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 0.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि जेट ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लेवी पहले के शून्य से बढ़ाकर 1 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल पर एसएईडी शून्य रहेगा। नई टैक्स दरें मंगलवार 19 दिसंबर से लागू हो गई है। भारत ने पहली बार पिछले साल 1 जुलाई को विंडफॉल टैक्स लगाया था और यह उन देशों की बढ़ती संख्या में शामिल हो गया है जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में उतार-चढ़ाव के आधार पर बिंडफाल टैक्स में पाक्षिक संशोधन होता है। इससे पहले 1 दिसंबर को सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 6,300 रुपये प्रतिटन से घटाकर 5,000 रुपये प्रतिटन करने की घोषणा की थी। इसके अलावा 16 नवंबर को पिछली समीक्षा के दौरान, सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 3,500 रुपये से घटाकर 9,800 रुपये प्रति टन से 6,300 रुपये प्रति टन कर दिया था। यह वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में गिरावट के रुझान के अनुरूप था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2024 नीलामी

हर्षल पटेल सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने, स्टार्क की रिकॉर्डतोड़ बोली के बीच छाए

दुबई (एजेंसी)। दुबई में आईपीएल 2024 के लिए मिनी ऑक्शन जारी है। इस ऑक्शन में 332 खिलाड़ियों के नाम पर बोली लग रही है। जिसमें 216 भारतीय खिलाड़ी हैं। अभी तक नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का ज्यादा बोल बाला दिखा। जहां सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में मिचेल स्टार्क 24.75 करोड़ में बिके तो उनके ही हमवतन पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। लेकिन इस बीच हर्षल पटेल छा गए। हर्षल पटेल बतौर भारतीय खिलाड़ी सबसे महंगे खिलाड़ी बिके।

आईपीएल के इस मिनी ऑक्शन में टीम इंडिया के तेज गेदंबाज हर्षल पटेल का जलवा देखने को मिला। उन्हें पंजाब किंग्स ने 11.75 करोड़ रुपये में खरीदा। हर्षल इस नीलामी में बिकने वाले सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी रहे। हर्षल आईपीएल के पिछले सीजन में आरसीबी का पार्ट थे।

नीलामी में गुजरात टाइटंस ने सबसे पहले उन पर बोली लगाई। फिर पंजाब और लखनऊ के बीच उन्हें खरीदने की रेस लगी। लखनऊ के पर्स में कम कीमत होने के कारण वो पीछे हट गई। आरसीबी ने हर्षल के लिए थोड़ी भी दिलचस्पी नहीं दिखाई।

हर्षल टी20 क्रिकेट के बेहतरीन गेंदबाज माने जाते हैं। स्लोअर गेंदों से विकेट चटकाने में माहिर हर्षल ने आईपीएल 2021 में आरसीबी के लिए खेलते हुए पर्पल कैप हासिल की थी।

मुंबई इंडियंस की कप्तान संभालने के बाद पहली बार जिम में नजर आये हार्दिक

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने के बाद हार्दिक पंड्या पहली बार जिम में नजर आये। इसका एक वीडियो भी पांड्या ने साझा किया है। मुम्बई टीक ने आईपीएल के अगले सत्र के लिए अभी से अभ्यास शुरु कर दिया है। पंड्या की नजरें इस बार अपनी टीम को आईपीएल खिताब दिलाना है। पंड्या जब से मुम्बई के नये कप्तान बने हैं। सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा के साथ चर्चा में बने हुए हैं। रोहित की जगह पंड्या को मुम्बई का कप्तान बनाने के कारण प्रशंसकों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछेक ने इसे भविष्य के लिए साहसिक कदम बताया तो कइयों ने इसपर नाराजगी जतायी है।

हालांकि पांड्या इन चर्चाओं से परेशान नहीं हैं। हार्दिक ने मुंबई इंडियंस के कप्तान बनने के बाद जिम में अभ्यास का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाऊंट पर साझा किया है। पंड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी एक तरह की उनके लिए घर वापसी तरह ही है। उन्होंने 2015 में फ्रेंचाइजी के लिए आईपीएल में पदार्पण किया और कुछ ही समय में वह एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो गये थे। उनका ऑलराउंडर के तौर पर कौशल और आक्रामक खेल शैली मुंबई इंडियंस के खेल के तरीके से मिलता भी है।

आईपीएल 2024: ऋषभ पंत को फिट होने में लगेगा समय, विकेटकीपर बल्लेबाज ने खुद दिया फिटनेस अपडेट

गक्बेरहा (एजेंसी)। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को उम्मीद है कि वह अगले कुछ महीनों में पूरी तरह से फिट हो जाएंगे और अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे। बता दें कि, पंत पिछले साल सड़क दुर्घटना में चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह वर्ष 2023 में नहीं खेल पाए। वह प्रशंसकों के प्यार और स्नेह से अभिभूत हैं जिससे उन्हें उम्मीद से जल्दी फिट होने में मदद मिली।

दिल्ली कैपिटल्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें पंत ने कहा,'' मुझे लगता है कि पिछले कुछ महीनों की तुलना में मैं अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं अब भी शत प्रतिशत फिटनेस हासिल करने की राह पर हूं। लेकिन उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में मैं पूरी तरह से फिट हो जाऊंगा।'' ऋषभ पंत के सड़क दुर्घटना में चोटिल होने के बाद प्रशंसकों ने उनके प्रति जो प्यार और स्नेह दिखाया वह इस विकेटकीपर बल्लेबाज के दिल को छू गया जिसका अहसास उन्हें पहली बार हुआ।

उन्होंने कहा,'' यह वास्तव में शानदार अहसास है क्योंकि जब हम क्रिकेट खेलते हैं तो ऐसा लगता है कि कोई हमसे प्यार नहीं करता क्योंकि कई चीजों का दबाव रहता है। लेकिन वास्तव में यह काफी मुश्किल समय था और मुझे पता चला कि लोग हमें प्यार करते हैं। वे हमारा सम्मान करते हैं और मेरे चोटिल होने के बाद वे भी चिंतित थे। यह दिल को छूने वाला था और मेरे लिए यह काफी मायने रखता है।''

पंत ने आगे कहा,''जब आप बुरे दौर से गुजर रहे होते हैं या आपके साथ ऐसा कुछ होता है तो यह केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक लड़ाई भी होती है और अगर आपके प्रशंसक आपके प्रति प्यार और स्नेह दिखाते हैं तो यह काफी मायने रखता है और इससे वास्तव में चोट से उबरने में मदद मिली।'' पंत की अनुपस्थिति में पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने दिल्ली कैपिटल्स की अगुवाई की थी।

आईएलटी20 ने नवीन उल हक पर लगाया प्रतिबंध

मुम्बई। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक पर 20 माह का प्रतिबंध लगा दिया गया है। नवीन पर ये प्रतिबंध इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) ने लगाया है। नवीन पर ये पाबंदी शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने खिलाड़ी समझौते का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। वॉरियर्स ने सीजन 1 के लिए नवीन से करार किया था। वहीं एक बयान के अनुसार, नवीन को वॉरियर्स द्वारा एक और साल के विस्तार की पेशकश की गई थी पर उन्होंने सीज़न 2 के लिए रिटेंशन नोटिस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। इसके कारण अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज ने शारजाह वॉरियर्स के साथ अपना करार समाप्त कर दिया।

गौरतलब है कि नवीन ने जनवरी-फरवरी 2023 विंडो में शारजाह वॉरियर्स के लिए आईएलटी 20 के सीजन 1 में खेला था, जिसने इस साल की शुरुआत में उन्हें खिलाड़ी करार शर्तों के अनुसार समान नियमों और शर्तों पर रिटेंशन नोटिस दिया था। वहीं शारजाह वॉरियर्स ने इस विवाद में हस्तक्षेप करने के लिए आईएलटी 20 से संपर्क किया था। आईएलटी 20 की तीन सदस्यीय अनुशासन समिति लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट, सुरक्षा और भ्रष्टाचार विरोधी प्रमुख कर्नल आजम और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सदस्य जायद अब्बास शामिल थे, ने दोनों पक्षों को अलग-अलग सुना। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के सीईओ डेविड व्हाइट ने कहा कि सभी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी अनुबंध संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन करें।

रोहित के मुंबई इंडियंस के छोड़ने की खबरों पर लगा विराम

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए मुंबई इंडियंस ने जब से रोहित की जगह हार्दिक पांड्या को नया कप्तान बनाया है, तभी से अलग-अलग तरह की खबरें मीडिया में आ रही हैं। एक खबर चर्चा में आई कि मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा बुधवार के बाद किसी और टीम को ट्रेड किए जा सकते हैं, इसके अलावा मुंबई इंडियंस के सीनियर खिलाड़ी जैसे जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन भी किसी और फ्रेंचाइजी टीम को ट्रेड किए जा सकते हैं। मुंबई इंडियंस के अधिकारी के हवाले से कहा गया हैं कि यह सब बस अफवाह है, ना रोहित शर्मा कहीं जा रहे हैं और ना ही कोई और खिलाड़ी।

मुंबई इंडियंस के अधिकारी ने कहा, इस तरह की खबरें पूरी तरह से झूठी और गलत हैं। कोई भी मुंबई इंडियंस का खिलाड़ी हमें छोड़कर नहीं जा रहा है और ना ही हम किसी को ट्रेड करने जा रहे हैं। मुंबई इंडियंस की तरफ से इस तरह का बयान पहली बार आया है क्योंकि हार्दिक पांड्या के कप्तान बनने के बाद से ही अलग-अलग तरह की खबरें सोशल मीडिया पर फैल रही हैं। मुंबई इंडियंस की ओर से कहा गया हैं कि पांड्या को कप्तान बनाने से पहले हर खिलाड़ी को कॉन्फिडेंस में लिया गया था। रोहित को भी इस बारे में खबर दी गई थी। और वह इस फैसले को लिए जाने वाले ग्रुप का हिस्सा था।

शानदार एकदिवसीय पदार्पण से उत्साहित हैं सुदर्शन

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज साईं सुदर्शन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अच्छी शुरुआत से बेहद उत्साहित हैं। साईं ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार एकदिवसीय पदार्पण करते हुए 55 रन बनाये। वहीं सोशल मीडिया पर इस बल्लेबाज ने कहा, यह बेहद शानदार था क्योंकि एक युवा खिलाड़ी के रूप में हर कोई देश के लिए खेलना चाहता है। टीम की जीत में अपना योगदान देना और देश के लिए ट्रॉफियां जीतना हर कोई खिलाड़ी चाहता है। इसलिए, मैं अपने प्रदर्शन से खुश था और यह एक बहुत ही अच्छा अनुभव है।

साथ ही कहा कि एक संस्कृति जो मुझे पसंद है, वह है डेब्यू कैप मिलना जिसे मैं तमिलनाडु के दिनों से देखना पसंद करता हूं। तब राष्ट्रगान के दौरान मैं थोड़ा भावुक था। यह एक शानदार एहसास है और मैंने इसका आनंद लिया। इस बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में एक बेहतरीन कवर ड्राइव के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपना प्रभाव दिखाया और अपने पहले एकदिवसीय मैच में चौके के साथ अपना खाता खोला। इतना ही नहीं सुदर्शन ने स्पिनरों के खिलाफ अपने फुटवर्क का इस्तेमाल करने के तरीके से भी प्रभावित किया।

सुदर्शन ने कहा कि इस सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की ओर से लाल गेंदों के चार दिवसीय मैच खेलने के अनुभव से भी मदद मिली। उन्होंने कहा, मैंने बस इस बारे में जितना संभव हो सके उतनी जानकारी एकत्र करने की कोशिश की। मुझे अंदाजा था कि दक्षिण अफ्रीका में हालात कैसे होंगे।

ऑस्ट्रेलिया से शर्मनाक हार पर बोले पूर्व कप्तान- गेंदबाजों ने पाकिस्तान को निराश किया

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली ने अपने गेंदबाजों की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में पर्थ की उस पिच पर वह अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे जिससे असमान उछाल मिल रही थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट मैच 360 रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की।

अजहर ने कहा, 'जिस तरह से चौथे दिन पिच से असमान उछाल मिल रही थी उसे देखते हुए पाकिस्तान का 89 रन पर आउट होना हैरानी भरा नहीं रहा। हर समय इस तरह की असमान उछाल से निपटना मुश्किल था।' अजहर ने गेंदबाजों की कड़ी आलोचना की जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्होंने हाल के कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने कहा, 'कितनी बार गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया को कम स्कोर पर आउट किया जबकि बल्लेबाजों ने समय-समय पर अच्छा स्कोर बनाया। जब तक आप ऑस्ट्रेलिया को 250 या 300 रन से कम पर आउट नहीं करते हो तब तक आप ऑस्ट्रेलिया में मैच जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते हो।'

हेजलवुड मार्च और अप्रैल में आईपीएल नहीं खेलेंगे, अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे

मुम्बई। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड मार्च और अप्रैल में आईपीएल नहीं खेले पायेंगे। वह मई माह से ही इस लीग से जुड़ेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बारे में सभी आईपीएल टीम को जानकारी दे दी है। माना जा रहा है कि हेजलवुड अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे। इस तेज गेंदबाज को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने पहले ही 'रिलीज कर दिया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अन्य सात खिलाड़ी आईपीएल के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान भी 22 मार्च से 11 मई तक ही उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश के ही तेज गेंदबाज तास्किन अहमद और शोरिफुल इस्लाम अगले साल होने वाले आईपीएल को मार्च और अप्रैल में श्रीलंका और जिंबॉब्वे के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए खेलना है इसलिए वह भी आईपीएल में इस समय उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा आईपीएल के पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है जबकि श्रीलंका की टेस्ट टीम में शामिल अन्य खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ तीन अप्रैल को समाप्त होने वाली श्रृंखला के बाद ही आईपीएल में खेलेंगे।

लेडीज यूरोपीय टूर : प्रणवी संयुक्त 5वें स्थान पर पहुंची, टेन शीर्ष पर पहुंची

माराकेश। भारत की प्रणवी उर्स यहां अच्छा प्रदर्शन करते हुए लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर पहुंच गयी हैं। प्रणवी का अंतिम क्वालीफायर के दूसरे दौर में 4 अंडर 68 का स्कोर बनाया। वहीं पहले दौर में उन्होने 68 का स्कोर बनाया था। वहीं सिंगापुर की शेनन टेन भी 68 का स्कोर बनाने के साथ ही प्रणवी के साथ ही संयुक्त रूप से 5वें स्थान पर रही है। वहीं फर्नांडा लिरा दूसरे दौर में 71 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ शीर्ष पर चल रही हैं। भारत की ही नेहा त्रिपाठी दूसरे दौर में छह अंडर 67 के स्कोर से तीन अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 25वें स्थान पर चल रही हैं। इसके अलावा वाणी कपूर (73 और 70) संयुक्त 37वें, त्वेसा मलिक (74 और 70) संयुक्त 51वें, अमनदीप द्राल 75 और 70) संयुक्त 63वें, रिद्धिमा दिलावरी (74 और 72) संयुक्त 77वें, अवनी प्रशांत (76 और 71) संयुक्त 85वें स्थान पर चल रही हैं।

दुनिया भर की फुटबाल टीमों में हैं भारतीय मूल के कई खिलाड़ी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) राष्ट्रीय टीम में चयन के लिए विदेश में खेल रहे भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) के चयन की संभावना पर गौर कर रहा है और जल्द ही ऐसे 24 खिलाड़ियों से संपर्क करेगा। पीआईओ और भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई) खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन लंबे समय से बहस का मुद्दा रहा है। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमेच पहले ही भारतीय टीम में पीआईओ खिलाड़ियों के चयन की जरूरत की वकालत कर चुके हैं। लेकिन ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि भारतीय कानून दोहरी नागरिकता को स्वीकृति नहीं देता। अगर कोई पीआईओ खिलाड़ी भारत के लिए खेलना चाहता है तो उसे भारतीय नागरिकता लेनी होगी। नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले उस व्यक्ति को 12 महीने भारत में रहना होगा। चौबे ने खिलाड़ियों के नाम का खुलासा किए बिना कहा, 'हम 24 पीआईओ खिलाड़ियों से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं जो दुनिया भर में खेल रहे हैं। लेकिन आपको पता है कि दोहरी नागरिकता का मुद्दा है।

गावस्कर का दावा, मुंबई इंडियंस में नई सोच लेकर आएंगे हार्दिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने दावा किया है कि मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पांड्या इस टीम में नई सोच लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि रोहित थके हुए नजर आ रहे थे और पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने बल्लेबाजी में पर्याप्त योगदान नहीं दिया। बता दें कि भारत की टी20 टीम के कप्तान हार्दिक को मुंबई इंडियंस ने दुबई में मंगलवार को होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले अपनी टीम से जोड़ा। मुंबई ने बाद में उन्हें अपना नया कप्तान नियुक्त किया। रोहित और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। इन दोनों की अगुवाई में उनकी टीम ने पांच-पांच खिताब जीते हैं। हालांकि मुंबई इंडियंस 2021 के बाद खिताब नहीं जीत पाया और 2022 में वह अंतिम स्थान पर रहा था। गावस्कर ने कहा कि ऐसा रोहित के थके हुए होने के कारण हो सकता है क्योंकि वह लगातार सिर्फ आईपीएल टीम ही नहीं, भारत के कप्तान की भूमिका भी निभा रहे थे।

गावस्कर ने कहा कि हमें हार्दिक को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाना सही या गलत के रूप में नहीं देखना है। उन्होंने यह फैसला टीम के फायदे के लिए लिया है। रोहित का यहां तक कि बल्लेबाजी में भी योगदान थोड़ा कम हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले रोहित बल्लेबाजी में काफी योगदान देते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में वे नौवें या दसवें नंबर पर रहे हैं। पिछली बार उन्होंने प्लेऑफ में जगह बनाई, लेकिन मुंबई इंडियंस में जो जोश पहले दिखाई देता था वैसा नहीं दिखाई दिया। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि रोहित लगातार क्रिकेट खेलता रहा है जिससे वह थक गए होंगे। वह लगातार भारतीय टीम और फिर मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे थे।

बता दें कि हार्दिक की अगुवाई में गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपने शुरुआती सत्र में ही खिताब जीता था जबकि इस साल उसकी टीम उप विजेता रही थी। हालांकि क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर का मानना है की हार्दिक ने गुजरात की टीम के साथ खुद को साबित किया है और मुंबई इंडियंस में उनकी वापसी से टीम में नई सोच जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि मुंबई ने यह फैसला कर लिया है। वह कप्तानी के मामले में युवा खिलाड़ी है जो गुजरात टाइटंस को दो बार फाइनल में पहुंचाकर और एक बार खिताब दिलाकर खुद को साबित कर चुका है। इस पर गावस्कर ने कहा कि उन्होंने इसी नई सोच के साथ उसे टीम का कप्तान बनाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

"मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।"

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब

टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

जब दोस्त ईर्ष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडने वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अतः जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडने का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

अनुवादक

कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडने में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और

> भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फ्रीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

आइसलैंड में ज्वालामुखी का महाविस्फोट होने से धरती में बनी 3.5 किमी की दरार

-दहशत के साये में रहवासी, प्रशासन ने आपातकाल की अवधि बढ़ाई

रेक्जाविक । आइसलैंड में ज्वालामुखी का महाविस्फोट होने से धरती में 3.5 किमी की दरार बन गई है। इससे यहां के लोग दहशत में जी रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने यहां पर आपातकाल बढ़ा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 800 भूकंपों के बाद आखिरकार यहां पर ज्वालामुखी विस्फोट हो गया है। देश के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम आइसलैंड के रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर हफ्तों की तीव्र भूकंप के बाद एक ज्वालामुखी फट गया है। आइसलैंडिक मौसम विज्ञान कार्यालय के अनुसार विस्फोट ग्रिंडाविक से लगभग 4 किमी उत्तर पूर्व में सुंधनुकागिगर के करीब स्थित है, और इसे पास के वेब कैमरों पर देखा जा सकता है। मौसम केन्द्र के अनुसार सोमवार की रात लगभग 9 बजे शुरू हुए भूकंप के झटके के बाद रात 10.17 बजे विस्फोट शुरू हुआ था। मौसम कार्यालय ने बताया कि ज्वालामुखी में दरार की लंबाई लगभग 3.5 किमी है, इसमें लावा लगभग 100 से 200 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड की दर से बह रहा है। यह हाल के वर्षों में रेक्जेन्स प्रायद्वीप पर पिछले विस्फोटों की तुलना में कई गुना अधिक था। हालांकि विस्फोट के सटीक स्थान और आकार की पुष्टि करने के लिए एक तटरक्षक हेलीकॉप्टर को क्षेत्र में भेजा गया है। इस संबंध में आइसलैंड के राष्ट्रीय पुलिस आयुक्त ने बताया कि नागरिक सुरक्षा सेवा स्तर को अलर्ट से आपातकाल तक बढ़ा दिया गया है। वहीं नागरिक सुरक्षा समन्वय केंद्र को सक्रिय कर दिया गया है। फिलहाल अधिकारियों ने जनता से विस्फोट स्थल पर नहीं जाने को कहा है और आपातकालीन कर्मचारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। राजमार्ग 41 सहित ग्रिंडाविक शहर की सभी सड़कें बंद हैं और यातायात पूरी तरह से प्रतिबंधित है। रेक्जेनस प्रायद्वीप के उत्तरी हिस्से की मुख्य सड़क है, जो बड़े रेक्जाविक क्षेत्र और केफ्लाविक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ती है। विस्फोट राजधानी रेक्जाविक से देखा जा सकता है। स्थानीय मीडिया ने प्रधान मंत्री कैटरीन जैकब्सडॉटिर के हवाले से कहा कि हाल ही में निर्माण शुरू होने वाले रक्षात्मक किलेबंदी से ज्वालामुखी विस्फोट से निपटने में महत्वपूर्ण अंतर आएगा।

सिंगापुर गार्डन्स में क्रिसमस के लिए हुई रोशनी को देखते हुए लोग।

चीन में भूकंप से 111 लोगों की मौत, रिक्टर पर 6.2 तीव्रता मापी गई

बीजिंग । चीन के गांसु प्रांत में भूकंप आने से 111 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। यहां पर आए रिक्टर पैमाने पर 6.2 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद अनेक घर ढह गए। अधिकारियों ने मंगलवार को चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के हवाले से बताया कि भूकंप सोमवार रात 11.59 बजे आया था। इसकी गहराई 10 किमी बताई जा रही है। भूकंप का केंद्र लिउगौ टाउनशिप, लिनक्सिया हुई स्वायत्त प्रान्त, गांसु में जिशिशान बाओआन, डोंगज़ियांग, सालार स्वायत्त काउंटी की काउंटी सीट से लगभग 8 किमी दूर है। भूकंप किंघई के ज़िनिंग और हैडोंग शहरों में भी ज़ोर से महसूस किया गया, जहां कुछ घर ढह गए और उनमें दरारें आ गईं। हालां?कि गांसु और पड़ोसी किंघई से लोगों के मरने की सूचना भी मिली है। इसी दौरान प्रांतीय अग्निशमन और बचाव विभाग ने 88 अग्निशमन गाड़ियों, 12 खोजी और बचाव कुत्तों, 10,000 से अधिक उपकरणों के साथ 580 बचावकर्मियों को आपदा क्षेत्र में भेज दिया है। इधर रेलवे प्राधिकरण ने भूकंप क्षेत्र से गुजरने वाली यात्री और मालवाहक ट्रेनों को रोक दिया है और पटरियों की सुरक्षा जांच के आदेश दिये हैं। दहेजिया टाउनशिप में सुबह तापमान शून्य से 16 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। कड़ाके की सर्दी के बावजूद एक स्थानीय अस्पताल में 140 से अधिक चिकित्सा कर्मचारी घायलों की देखभाल में लगे हुए हैं। वहीं राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गांसु में आए भूकंप से पूर्ण बचाव प्रयास करने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि खोज और बचाव करने, घायलों का समय पर इलाज करने और हताहतों की संख्या को कम करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। बता दें कि गांसु, चीन के सबसे गरीब क्षेत्रों में से एक, तिब्बती और लोएस पठारों के बीच स्थित है और इसकी सीमा मंगोलिया से लगती है। चीन एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां कई टेक्टोनिक प्लेटें, विशेष रूप से यूरेशियन, भारतीय और प्रशांत प्लेटें मिलती हैं, और विशेष रूप से यहां पर भूकंप का खतरा बना है।

पराग्वे में पुलिस की कार्रवाई में 10 लोगों की मौत

असुनसियन। पराग्वे की राजधानी असुनसियन के ताकुम्बु में पुलिस और सेना की ओर से चलाए गए अभियान में करीब 10 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार नौ कैदी और राष्ट्रीय पुलिस सामरिक समूह के एक कर्मी की मौत हो गई, जबकि 20 कैदी और 36 पुलिस और सैन्यकर्मी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह अभियान ताकुम्बु जेल पर नियंत्रण पाने के लिए चलाया गया था, जो वर्षों से रोटेला कबीले के नाम से जाने जाने वाले आपराधिक समूह के नियंत्रण में था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैदियों के साथ तगड़ा टकराव के बाद पुलिस और सैन्यकर्मी आपराधिक गुट के नेता अरमांडो जेवियर रोटेला के ठिकाने तक पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया और उस विनस क्यू सैन्य जेल में भेज दिया गया है।

पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी का दावा, दाऊद को जहर दिया

करांची । जहां पाकिस्तान में दाऊद को जहर देने की खबर के बाद देश में हलचल तेज हो गई है। वहीं पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी का एक वीडियो भी इस समय खूब वायरल हो रहा हैं। वीडियो में पत्रकार ने दावा किया है कि दाउद इब्राहिम को जहर दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को कराची में जहर दिया गया है। पाकिस्तान की वरिष्ठ पत्रकार आरजू काजमी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आरजू काजमी ने कहा कि सुनने में आ रहा है कि दाऊद इब्राहिम को किसी ने जहर दिया है। उसकी तबियत बहुत ज्यादा खराब हो गई है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। आरजू आगे कहती हैं कि कराची के किसी हॉस्पिटल में उसको रखा गया है। ये खबर सोशल मीडिया पर गर्दिश कर रही है और ये बात कहां तक सही है, फिलहाल मालूम नहीं है। इतना ही नहीं वीडियो में आरजू ने कहा कि आप लोग जानते हैं कि अगर कोई भी नाम लेगा या कुछ भी कंफर्म करने की कोशिश करेगा तो फिर उसकी भी शामत आ जाएगी। बता दें कि आरजू काजमी पाकिस्तान की बेबाक पत्रकार हैं। वो हर वक्त अपनी बातों को बेहद ही बेबाकी से पेश करती हुई नजर आती हैं।

लाल सागर में जहाजों पर हमलों से निपटने नए अंतरराष्ट्रीय मिशन की तैयारी

वाशिंगटन । लाल सागर में जहाजों पर हो रहे हमलों से निपटने के लिए अमेरिका सहित कई अन्य देश नए अंतरराष्ट्रीय मिशन की तैयारी में जुट गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार ये देश लाल सागर से गुजरने वाले उन जहाजों की सुरक्षा के लिए एक नयी सेना तैयार कर रहे हैं, जिन पर यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों से दागे गए ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला हुआ है। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने बहरीन में मंगलवार को इसकी घोषणा की। हमले की गंभीरता को देखते हुए कई शिपिंग कंपनियों को अपने जहाजों को रुकने और बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य में तब तक प्रवशे न करने का आदेश दिया है। हालांकि यह तब तक है जब तक कि सुरक्षा स्थिति का समाधान नहीं हो जाता है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कई पोतों पर हमला हुआ है। रक्षा सचिव लॉयड ने एक बयान में कहा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय चुनौती है, जो सामूहिक कार्रवाई की मांग करती है। ऑस्टिन ने घोषणा की कि ब्रिटेन, बहरीन, कनाडा, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, सेशेल्स और स्पेन नए मिशन में शामिल होंगे। कुछ देश संयुक्त गश्त करेंगे जबकि अन्य दक्षिणी लाल सागर और अदन की खाड़ी में खुफिया सहायता प्रदान करेंगे। एक रक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि कई अन्य देश भी इस अभियान में शामिल होने के लिए सहमत हुए हैं, लेकिन वो सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं करना चाहते हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मिशन का समन्वय पहले से मौजूद संयुक्त टास्क फोर्स 153 द्वारा किया जाएगा। जिसे अप्रैल 2022 में लाल सागर, बाब अल-मंडेब और अदन की खाड़ी में समुद्री सुरक्षा में सुधार के लिए बनाया गया था।

अमेरिका के पूर्वी तट में शक्तिशाली तूफान से मची तबाही, तीन लोगों की मौत

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्वी तट पर भयानक तूफान आने से तबाही का मंजर हो गया है। यहां पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में आए शक्तिशाली तूफान से तीन लोगों की मौत होने की सूचना है। इलाके में बिजली गुल हो गई, सड़कें बह गईं और एक समुदाय को वहां से निकलने के लिए मजबूर भी होना पड़ा है। मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक दो मौतें पेंसिल्वेनिया और मैसाचुसेट्स में हुईं, जहां तूफान प्रणाली के कारण दिनभर तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। वहीं तीसरी मौत दक्षिण कैरोलिना में हुई, जो सप्ताहांत में तूफान से प्रभावित हुआ था। यह तूफान पूरे पूर्वोत्तर में छाया रहा जहां तेज हवाएं और भारी बारिश शुरू कर दी, इससे 24 घंटों के भीतर अधिकांश क्षेत्र में 2-4 इंच पानी बह गया। साथ ही न्यूयॉर्क शहर के उत्तर-पश्चिम में पांच इंच से अधिक पानी होने की खबरें हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को न्यूयॉर्क सिटी आपातकालीन प्रबंधन ने स्टेटन द्वीप और ब्रुकलिन को जोड़ने वाले वेराज़ानो-नैरो ब्रिज को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। वहीं क्वींस और ब्रोंक्स को जोड़ने वाला थ्रोग्स नेक ब्रिज और थ्रोग्स नेक ब्रिज, मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने भी कई सबवे रोक दिए है। प्रबंधन ने कहा कि शहर के बिजली आपूर्तिकर्ता कंसोलिडेटेड एडिसन, इंक. के 10,000 से अधिक ग्राहक इस समय बिना बिजली के हैं। शहर भर में पेड़ों के गिरने की 237 रिपोर्टें हैं। फ्लाइट अवेयर के आंकड़ों के अनुसार न्यूयॉर्क के लागार्डिया और जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डों और बोस्टन के लोगान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 400 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। हालांकि विगत सोमवार को तूफान के चलते 4,700 से ज्यादा उड़ानें भी देरी से उड़ीं। न्यूयॉर्क में लगभग 5,000 उपयोगिता कर्मचारियों के साथ अग्रिम चेतावनी और यात्रा सलाह जारी की है। पॉवरआउटेज. यूएस के अनुसार, पूर्वोत्तर में सोमवार रात तक 660,000 से अधिक ग्राहक बिना बिजली के हैं। उनमें से अधिकांश मेन में थे, जहां ट्रैक किए गए 852,000 से अधिक ग्राहकों में से 420,000 से अधिक ग्राहक अंधेरे में है। मीडिया में आई जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय मौसम सेवा केन्द्र ने अनुमान लगाया है कि यहां बह रही नदी मंगलवार तक लिटिल फॉल्स में बड़े बाढ़ चरण में पहुंच जाएगी। हालांकि अधिकारियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बाढ़ विनाशकारी हो सकती है। राष्ट्रीय मौसम सेवा केन्द्र ने कहा कि मेन और न्यू हैम्पशायर में, जल बचाव की कई रिपोर्टें हैं। हालांकि तूफान सोमवार देर रात कनाडा की ओर बढ़ गया लेकिन इसका प्रभाव लंबे समय तक रहने की उम्मीद है।

अब तक 19 हजार लोगों को निगल गई इजरायल और हमास की जंग

तेल अवीव(एजेंसी)। जंग कहीं भी और किसी के साथ हो,परिणाम हमेशा घातक ही होते हैं। दोनों ही देशों को तबाही के अलावा कुछ हाथ नहीं लगता है। इजरायल और हमास के बीच बीते 74 दिनों से जंग चल रही है,जिसमें अब तक 19 हजार से अधिक लोगों को मौत हो चुकी है। आगे यह सिलसिला कब तक चलेगा कोई नहीं जानता,पर इतना जरुर है कि लंबे समय तक लोगों के लिए तकलीफदायक होगा। गाजा में जारी बमबारी के बीच इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने में समय लगेगा. इजराइली रक्षा मंत्री का यह बयान अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के साथ मीटिंग के बाद आया है। इससे पहले भी उन्होंने गैलेंट ने यही बयान दिया था। इससे जाहिर होता है कि इजराइल गाजा में अभी युद्ध रोकने के मूड में नहीं है। इजराइली रक्षा मंत्री ने पिछले महीने एक बयान में कहा था कि गाजा में अभी कई महीनों तक जंग जारी रहेगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा है कि इजराइल तब तक लड़ता रहेगा जब तक वह हमास को पूरी तरह खत्म और अपने बंधकों को रिहा नहीं करा लेता।

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने सोमवार को इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गाजा में इजराइली अभियानों को कम करने को लेकर चर्चा की। ऑस्टिन और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने गाजा में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत के बारे में बार-बार चिंता व्यक्त की है मगर उन्होंने युद्धविराम को लेकर कोई बातचीत नहीं की।

इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा कि यह इजराइल का ऑपरेशन है। मैं यहां समयसीमा या शर्तें तय करने के लिए नहीं आया हूं। अमेरिकी अधिकारियों ने हमास के लड़ाकों को खत्म करने, सुरंगों को नष्ट करने और बंधकों को बचाने के उद्देश्य से लक्षित अभियानों का आह्वान किया है। बता दें कि अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम के आह्वान को वीटो कर दिया था। बता दें कि गाजा में ढाई महीने से अधिक समय से जंग जारी है और यह जंग कब थमेगी, इसके बारे में कहना फिलहाल मुश्किल है। गाजा में अब तक यहां 1900 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमलों के बाद इजराइल लगातार गाजा में बमबारी कर रहा है।

ईरान में हुए धमाके से दूसरे देशों में बढ़ा तनाव !

तहरीन (एजेंसी)। यहां एक बड़ा धमाका हुआ है। जिसे लेकर दूसरे देश भी अलर्ट हो गए है। वैश्विक स्तर पर भी चर्चा शुरु हो गई है। कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। ये धमाका तेहरीन में ईरानी एविएशन एंड स्पेस फोर्स हेडक्वार्टर में हुआ है। धमाके के बाद हेडक्वार्टर से आग की

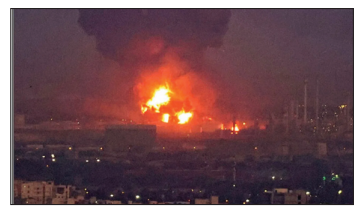

लपटे उठती दिखीं। भीषण धमाके ने मिडिल ईस्ट में संकट और बढ़ने की आशंका बयां की है। गाजा पट्टी और लेबनान बॉर्डर पर जारी जंग के बीच इस धमाके से अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ सकता है। विस्फोट इतना जोरदार था कि आग की ऊंची-ऊंची लपटे काफी देर तक हेडक्वार्टर से उठती रहीं। जानकारी के मुताबिक एविएशन एंड स्पेस फोर्स के इस हेडक्वार्टर से ही मिसाइल और ड्रोन की सप्लाई होती थी। आशंका है कि इसी जगह से इजरायल और अमेरिका के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हमास, हिज्बुल्लाह और हूती विद्रोहियों तक घातक हथियार भेजे जा रहे थे।

हालांकि अभी तक इस धमाके की असली वजह का खुलासा नहीं हुआ है। ये हादसा है या साजिश इससे लेकर अभी ईरान ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन गाजा जंग के बीच ऐसी घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। अमेरिका और इजरायल ने प्रॉक्सी समूहों को लेकर हाल ही में ईरान को चेतावनी थी और कहा था कि ईरान आग से खेलना बंद करे। तनाव के बीच ईरान के गैस स्टेशनों पर इजरायली हैकर्स ने साइबर अटैक किया। ईरान के करीब 60 से 70 फीसदी गैस स्टेशनों पर कामकाज ठप होने से हाहाकार मच गया। ईरान ने गैस स्टेशनों पर हुए साइबर हमले का आरोप इजरायल और अमेरिकी हैकर्स पर लगाया है। ईरान तेल मंत्रालय के मुताबिक इस घटना की वजह से सोमवार को देशभर में सिर्फ 30 फीसदी तक ही गैस स्टेशनों पर कामकाज हुआ। साइबर हमले के लिए इजरायली हैकर्स समूह 'गोंजेश्को दारांदे' को जिम्मेदार ठहराया। देश में कुल 33 हजार गैस स्टेशन हैं। लेकिन गैस आपूर्ति में आ रही दिक्कतों के वजह से गैस स्टेशनों पर दिनभर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। इस दौरान स्टॉक और आपूर्ति डेटा में भारी गड़बड़ी देखने को मिली। 2022 में भी इजरायली हैकर्स के इसी समूह ने ईरान के एक प्रमुख स्टील कंपनी को हैक कर लिया था।

दुनियाभर में होने लगी चर्चा, दाऊद के बाद अब किसकी बारी ?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वांटेड डॉन दाऊद इब्राहिम कराची के आगा खान अस्पताल में हैं। हालत गंभीर है और उपचार चल रहा है। दावा किया जा रहा है कि डॉन को जहर दिया गया था। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इस पर कोई बयान नहीं दिया गया है। माना जा रहा है कि दाऊद उसी फेहरिस्त का हिस्सा हैं जो पिछले एक साल से पाकिस्तान में हो रहा है। यदि ऐसा है तो इस सूची में अगला नंबर हाफिज सईद और मसूद अजहर का हो हो सकता है।पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी ने दावा किया है कि दाऊद इब्राहिम को जहर दिया गया है। काजमी ने कहा कि दाऊद इब्राहिम अस्पताल में है और उसे जहर दिया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि पाक सरकार इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी और न ही इसे कंफर्म करेगी। आरजू ने कहा कि सिर्फ दाऊद ही नहीं बल्कि इस लिस्ट में अभी कई ऐसे नाम हैं जिनका नंबर जल्द ही आने वाला है।पत्रकार आरजू काजमी ने बताया कि दाऊद इब्राहिम कराची में रहता है। यहां के क्लिफटन इलाके में उसका घर है। हालांकि पाकिस्तान इसे स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि कराची में दाऊद का इलाज चल रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान की मीडिया में अजीब सी खामोशी छाई है। हालांकि पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर दाऊद को लेकर खूब बातचीत हो रही है।

आरजू काजमी ने दावा किया कि दाऊद की खबर को छिपाने के लिए ही सरकार ने पाकिस्तान में इंटरनेट बंद किया है।पाक पत्रकार आरजू काजमी ने दावा किया कि पाकिस्तान में पिछले एक साल से टारगेट किलिंग हो रही है। उन्होंने दावा किया कि इसमें पाकिस्तान का ही हाथ है। आरजू काजमी का कहना है कि नवाज शरीफ की पार्टी भारत से रिश्ते सुधारना चाहती है। इसीलिए आने वाले समय में हाफिज सईद और मसूद अजहर की भी टारगेट किलिंग हो सकती है। पाकिस्तान में हाफिज सईद लश्कर ए तैयबा का संस्थापक है और जमात उद दावा से संबंध रखता है। यह भारत की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल है।

किम जोंग उन की नई इंटर कॉन्टीनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, जद में पूरा अमेरिका, स्पीड 30 हजार किमी

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का कहना है कि उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए अपनी सबसे उन्नत लंबी दूरी की मिसाइल दागी है। अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के प्रक्षेपण की पश्चिम से तत्काल निंदा हुई। यह जापान में होक्काइडो के पश्चिम में उतरा। यह तब हुआ है जब दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने पिछले सप्ताह उत्तर से परमाणु हमले का जवाब देने की योजना को अद्यतन करने के लिए मुलाकात की थी। प्योंगयांग ने जवाब में अधिक आक्रामक जवाबी कदम उठाने की कसम खाई थी।

सुबह स्थानीय समयानुसार लगभग 08:24 बजे (23:24 रविवार GMT) प्योंगयांग क्षेत्र से लंबी दूरी की मिसाइल लॉन्च की। दक्षिण कोरियाई और जापानी अधिकारियों ने कहा कि मिसाइल ने 73 मिनट तक यात्रा की, जिसमें लगभग 1,000 किमी (621 मील) की दूरी तय की गई। ICBM की सीमा उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप तक पहुंचने की है। सोमवार का प्रक्षेपण इस साल उत्तर कोरिया का आईसीबीएम का पांचवां सफल प्रक्षेपण है। दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने सोमवार को मिसाइल परीक्षण की तुरंत निंदा की और कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा

परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है और इससे कोरियाई प्रायद्वीप कम सुरक्षित हो जाएगा।

उत्तर और दक्षिण के बीच तनाव पिछले महीने तब बढ़ गया जब प्योंगयांग ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए एक जासूसी उपग्रह को कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया। सियोल ने उत्तर के साथ एक सैन्य समझौते को आंशिक रूप से निलंबित करके जवाब दिया, जिसका उद्देश्य सीमा पर सैन्य गतिविधि को सीमित करना और झड़पों की संभावना को कम करना था। इसके बाद प्योंगयांग पूरी तरह से समझौते से हट गया। उत्तर कोरिया ने तब से अपने सैनिकों को असैन्यीकृत क्षेत्र के पहले से निहत्थे क्षेत्रों में फिर से संगठित किया है जो उसके क्षेत्र को दक्षिण से अलग करता है।

जेल में बंद इमरान ने एआई की मदद से शुरु किया चुनाव प्रचार

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में फरवरी 2024 में आम चुनाव होने हैं। सलाखों के पीछे होने के बावजूद, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा सक्रिय रूप से चुनाव अभियान में शामिल हो गए हैं। उनकी पार्टी की ओर से विपक्षी नेता की ओर से जोशीला भाषण देने का एक वॉयस क्लोन जारी किया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा सोशल मीडिया पर चार मिनट के संदेश को वर्चुअल रैली नाम दिया गया। पीटीआई ने कहा कि खान का भाषण उस पाठ से तैयार किया गया था जो उन्होंने जेल से लिखा और जिसे उनके वकीलों ने मंजूरी दी थी। इमरान खान अगस्त से जेल में हैं और उन पर गोपनीय डेटा लीक करने का मुकदमा चल रहा है, उनका दावा है कि ये आरोप उन्हें फरवरी के आम चुनाव में भाग लेने से रोकने के लिए लगाए जा रहे हैं।

पीटीआई पार्टी ने इमरान का चार मिनट का संदेश तैयार करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल किया, जो इंटरनेट व्यवधानों के बावजूद सोशल मीडिया पर आयोजित एक वर्चुअल रैली का शीर्षक था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने कहा कि इमरान खान ने वकीलों के माध्यम से एक शॉर्टहैंड स्क्रिप्ट भेजी थी, इस उनकी अलंकारिक भाषा में शामिल किया गया था। इसके बाद एआई के एक टूल का उपयोग करके टेक्स्ट को ऑडियो में डब किया गया, जो मौजूदा भाषण नमूनों से वॉयस क्लोन बनाने की क्षमता का दावा करता है। इमरान की नकल करते हुए आवाज ने कहा कि मेरे साथी पाकिस्तानियों, मैं सबसे पहले इस ऐतिहासिक प्रयास के लिए सोशल मीडिया टीम की प्रशंसा करना चाहूंगा। ऑडियो को फेसबुक, एक्स और यूट्यूब पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थकों के भाषणों की पांच घंटे की लाइव-स्ट्रीम के अंत में प्रसारित किया गया था, और इमरान के ऐतिहासिक फुटेज और स्थिर छवियों के साथ कवर किया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अनुसार इस एक समय के क्रिकेट स्टार के पूर्व भाषणों के वास्तविक वीडियो क्लिप के साथ बुक किया गया था, लेकिन बीच-बीच में एक कैप्शन दिखाई दिया, जिसमें इमरान की एआई आवाज उनके नोट्स के आधार पर के रूप में चिह्नित किया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सोशल मीडिया प्रमुख जिब्रान इलियास ने कहा कि यह हमारे लिए कोई बड़ी बात नहीं थी, जब इमरान खान वास्तव में एक राजनीतिक रैली में मिलने के लिए मौजूद नहीं हैं।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पाकिस्तान की पहली राजनीतिक पार्टी थी जिसने सोशल मीडिया की क्षमता का व्यापक रूप से उपयोग किया, युवा दर्शकों को लक्षित करने के लिए एप का उपयोग किया, जिन्होंने उन्हें पांच साल पहले सत्ता में पहुंचाया था।

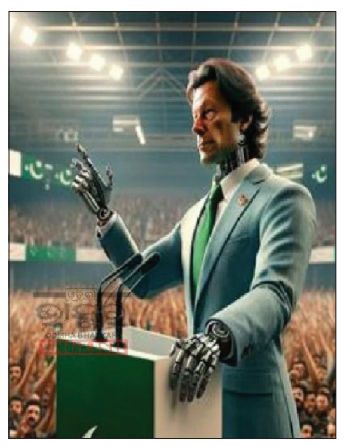

बीजेपी के टिकट पर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगी कंगना रनौत

मंडी। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ने जा रही हैं। वह बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगी। हालांकि कंगना को लेकर लगातार चुनाव लड़ने की चर्चाएं चल रही हैं। वहीं, अब उनके पिता ने यह घोषणा करके इन चर्चाओं को विराम लगा दिया है। कंगना के पिता ने उनके लोकसभा चुनाव लड़ने की बात स्वीकार की है। हालांकि, पिता ने कहा कि भाजपा तय करेगी कि बेटी कंगना को कहां से चुनाव लड़वाना है। अभिनेत्री कंगना रनौत के पिता अमरदीप ने एक बयान में कहा कि कंगना भाजपा के टिकट पर ही चुनाव लड़ेंगी, लेकिन वह कहां से चुनाव लड़ेंगी, इस बात को पार्टी नेतृत्व ने ही तय करना है। बड़ी बात यह है कि कंगना ने दो दिन पहले ही कुल्लू में अपने घर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद से उनके चुनाव लड़ने की चर्चाओं को और बल मिला था। लेकिन अब पिता ने यह कहकर स्पष्ट कर दिया है कि कंगना चुनाव लड़ेंगी। बीते सप्ताह हिमाचल के बिलासपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से सोशल मीट कार्यक्रम करवाया गया था। इसमें भी कंगना पहुंची थी और कहा था कि आरएसएस की विचारधारा, उनकी विचारधारा से मेल खाती है। यहां गौरतलब है कि कंगना के मंडी लोकसभा सीट या फिर चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने की भी चर्चाएं हैं। फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत मूलत: मंडी जिला के सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के भांबला गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने मनाली में अपना एक घर बना रखा है। उनका बाकी परिवार अब मनाली में ही रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ माह पहले ही कंगना रनौत ने गुजरात के द्वारका में मीडिया से बातचीत में यह स्पष्ट किया था कि अगर भगवान की कृपा रही तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगी। इसके बाद तभी से कंगना के चुनाव लड़ने को लेकर खबरों का बाजार गर्म हो गया था।

योगी के नाम पर ठगी, योगी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया बनाकर दिया झांसा

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में योगी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। यहां पर पुलिस के हत्थे दो ऐसे जालसाज चढ़े हैं जो फर्जी पते पर, फर्जी संस्था बनाकर लोगों को ठगते थे। इन्होंने आम लोगों के साथ-साथ कई स्थानीय बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपना निशाना बनाया है। ये कभी संस्था में पद दिलाने के नाम पर ठगी करते तो कभी सीएम से मिलवाने के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे थे। लोगों को झांसे में लेने के लिए इन्होंने अपने नाम में योगी टाइटल भी जोड़ रखा था। ठगों ने एक कंपनी बनाई, जिसका नाम भी योगी कॉर्पोरेशन ग्रुप ऑफ इंडिया रख रखा था। इतना ही नहीं कंपनी का पता इन्होंने गोरखनाथ मंदिर दर्शाया था। इसी मंदिर के सामने ये सेल्फी क्लिक कर सोशल मीडिया पर डालते और लोगों को झांसे में लेते रहे। गोरखपुर पुलिस ने जानकारी दी कि योगी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया नामक संस्था बनाकर लोगों को बीजेपी संगठन में पद दिलाने का वादा करने वाले दो घोटालेबाजों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने अपने नाम के साथ योगी और पते के रूप में गोरखनाथ मंदिर का उल्लेख किया है। इस ठगी के मामले में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि गाजियाबाद निवासी हर्ष चौहान उर्फ योगी हर्षनाथ और महाराजगंज निवासी योगी केदारनाथ उर्फ केदारनाथ अग्रहरि को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उनका बैंक खाता भी सीज कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि घोटालेबाजों ने 13 दिसंबर को योगी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के नाम से एक एमएसएमई बनाई और अपने दावे को सच साबित करने पता गोरखनाथ मंदिर का दे दिया। इतना ही नहीं दोनों घोटालेबाजों ने अपने नाम के आगे योगी टाइटल भी जोड़ लिया था। पकड़े गए दोनों जालसाज पूरे देश में 1100 रुपये प्रति वर्ष पर सदस्यों का फर्जी नामांकन कर रहे थे। फर्जी आइकार्ड के उनसे पैसे ले लेते थे। कुछ ही दिनों में दोनों ने मोटी रकम जमा कर ली। हालांकि, अब उनका बैंक खाता जब्त कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, पुलिस को दोनों जालसाजों के पास से 87 फर्जी नियुक्ति पत्र, 83 नकली लेटरहेड, आठ आवेदन पत्र, सीएम के जनता दर्शन में शामिल होने के अनुरोध वाले पत्र, दो मोबाइल फोन और फर्जी आईडी कार्ड बरामद हुए हैं। आम लोगों की समस्याओं से संबंधित कुछ पत्र भी बरामद किये गए है। इन दोनों की शिकायत कानपुर बीजेपी की मंडल मंत्री रंजना सिंह ने पुलिस से की थी, इसके बाद उन पर यह कार्रवाई की गई है।

भारी बारिश ने दक्षिण तमिलनाडु में मचाई आफत, बचाव में जुटी इंडियन आर्मी

चेन्नई। दक्षिण तमिलनाडु में इन दिनों भारी बारिश ने आफत मचाई हुई है। इससे पहले चेन्नई और आसपास के जिलों में चक्रवात मिचौंग कहर ढाया था। इसके बाद, चक्रवाती हवाओं के कारण भारी बारिश होने लगी। इसका सामना करने के लिए चार दक्षिणी जिलों, विशेष रूप से तिरुनेलवेली और तूतीकोरिन तैयार है। यहां पर सोमवार को तीनों सशस्त्र बल फंसे हुए लोगों को बचाने में जुट गए हैं। तमिलनाडु सरकार भी लगातार इन्हे राहत कार्यों में सहयोग कर रही है। यहां पर दो जिलों में भारी बारिश ने तबाही मचाई थी। जानकारी के मुता?बिक तिरुनेलवेली जिले में बारिश से संबंधित घटनाओं में तीन की मौत हो गई। राज्य सरकार ने बारिश को अभूतपूर्व करार दिया और तिरुनेलवेली में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए सुलूर हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को लगाया। तूतीकोरिन के कयालपट्टिनम में सोमवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में ऐतिहासिक 95 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि तूतीकोरिन के कई शहरों में 60 सेमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। यहां पर ज्यादातर नदियां और नाले उफान पर हैं। दरअसल जलग्रहण क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश के कारण पापनासम, मणिमुथर, पेचिपराई और पे रुंचनिम सहित क्षेत्र के प्रमुख जलाशय लबालब हो गए हैं। इस क्षेत्र के 37 वर्षा निगरानी स्टेशनों ने अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की थी। बाद में शाम को केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन सहित चार जिलों में अभूतपूर्व बारिश के कारण कटे हुए लोगों को बचाने के लिए नावों और हेलीकॉप्टरों सहित अतिरिक्त एनडीआरएफ सहायता प्रदान करने को कहा है। आईएमडी ने अनुमान लगाया है कि यहां कन्याकुमारी, तूतीकोरिन, तिरुनेलवेली और तेनकासी में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

धर्म परिवर्तन मामला : सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को गिरफ्तारी से प्रदान की सुरक्षा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित जबरन धर्म परिवर्तन के एक मामले में सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (इलाहाबाद) के कुलपति और पांच अन्य अधिकारियों को गिरफ्तारी से सुरक्षा दे दी। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और केवी विश्वनाथन की अवकाश पीठ ने 12 जनवरी या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रोक लगा दी, पिछले हफ्ते इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य को 20 दिसंबर तक आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। छह लोगों ने उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया, जिसमें विश्वविद्यालय के एक पूर्व कर्मचारी ने उनके खिलाफ 4 नवंबर को उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में ईसाई धर्म अपनाने के लिए राजी करने के लिए नौकरी की पेशकश और अन्य प्रलोभन का आरोप लगाते हुए दायर मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। शिकायतकर्ता ने सामूहिक बलात्कार का भी आरोप लगाया है और एक अन्य महिला पर उसे फंसाने और नियमित रूप से चर्च में ले जाने का आरोप लगाया है।

सीएम शिंदे ने किसानों को दिये राहत राशि के चेक

नागपुर। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान से किसानों को सहायता वितरण की शुरुआत मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा की गई। ये बेमौसम बारिश नवंबर में हुई थी। इस बारिश से फसल को हुए नुकसान से राहत मिल सके, इसलिए प्रभावित किसानों को मंगलवार को प्रतिनिधिक स्वरूप में चेक दिए गए। विधान भवन के मंत्रिमंडल सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, मदद व पुनर्वास मंत्री अनिल पाटिल, राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, वन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, राज्य उत्पादन शुल्क मंत्री शंभूराज देसाई, ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन, लोक निर्माण मंत्री दादाजी भुसे, मुख्य सचिव मनोज सौनिक सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल, खरगे और प्रियंका की भी यूपी से लड़ने की योजना?

– सपा से गठबंधन होने पर कांग्रेस को कितनी सीटें मिलेंगी, यह बड़ा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष के इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने बंगाल में कांग्रेस को महज 2 सीटें देने के संकेत दिए हैं। वहीं सपा भी कई बार यह दोहरा चुकी है कि जिसकी जहां ज्यादा ताकत है, उसे वहां अधिक मौके मिलने चाहिए। ऐसे में यूपी में सपा से गठबंधन होने पर कांग्रेस को कितनी लोकसभा सीटें चुनाव लड़ने के लिए मिलेंगी, यह बड़ा सवाल है। हाल ही में ऐसे ही तमाम सवालों को लेकर यूपी कांग्रेस के नेताओं की राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से दिल्ली में बैठक हुई। इस बैठक में यूपी कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की सलाह थी कि सपा से ही गठबंधन किया जाए। कुछ नेताओं ने तो बसपा का साथ लेने की भी बात कही, लेकिन मायावती के एकला चलो वाले रुख को देखते हुए उस पर चर्चा नहीं हुई। इस बीच सपा से गठबंधन की स्थिति में कई नेताओं ने सवाल उठाया कि यह समझौता सम्मानजनक होना चाहिए और हमें सीटों को लेकर समझौते से बचना होगा। दरअसल कांग्रेस नेताओं को अखिलेश यादव का रुख देखते हुए लग रहा है कि वह कांग्रेस को रायबरेली और अमेठी के अलावा अन्य सीटें देने में आनाकानी कर सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस पहले ही सपा पर दबाव बनाने की कोशिश में है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी 2004 और 2009 में जीती हुई सीटों पर दावा कर सकती है। कांग्रेस मानती है कि कुछ शहरी सीटें जैसे कानपुर, प्रयागराज, फूलपुर आदि में उसकी अच्छी पकड़ रही है। ऐसे में यहां सपा को त्याग करना चाहिए। इस बैठक में एक और रणनीति पर चर्चा हुई है। वह यह कि सोनिया गांधी तो रायबरेली से चुनाव लड़ती ही हैं। उनके अलावा अमेठी से राहुल गांधी मैदान में उतरें और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी यूपी की ही किसी सीट से चुनावी समर में जाएं। प्रियंका गांधी वाड्रा को भी यूपी की किसी सीट से चुनाव लड़ाने की बात बैठक में कही गई। खुद कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय ने यह सुझाव दिया। इसके अलावा कांग्रेस का कहना है कि उसके साथ मुस्लिम वर्ग एकमुश्त होकर आ रहा है। इसलिए सपा को उन सीटों पर भी बड़ा दिल दिखाना चाहिए, जहां मुस्लिम आबादी की बहुलता है। इन सीटों में मुरादाबाद, सहारनपुर आती हैं। इसके अलावा पूर्वांचल में मऊ और गाजीपुर जैसी सीटों पर भी कांग्रेस दावा ठोक सकती है।

इस बार भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे अरविंद केजरीवाल, राघव चड्ढा ने की पुष्टि

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तलब किया है। हालांकि, वह 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र में जाने की अपनी योजना जारी रखेंगे। पार्टी नेता नेता राघव चड्ढा ने पुष्टि की। चड्ढा ने कहा कि आप सुप्रीमो के विपश्यना शिविर की योजना पहले से तय थी और नेताओं से कानूनी सलाह ली जा रही है। केजरीवाल लंबे समय से विपश्यना का अभ्यास कर रहे हैं, जो एक प्राचीन भारतीय ध्यान तकनीक है जिसमें अभ्यासकर्ता मानसिक कल्याण को बहाल करने के लिए लंबे समय तक संचार के किसी भी माध्यम से दूर रहते हैं और बेंगलुरु सहित कई ऐसे शिविरों में गए हैं। आप नेता हर साल 10 दिन का विपश्यना कोर्स करते हैं। इस वर्ष का पाठ्यक्रम 19 से 30 दिसंबर तक निर्धारित है। इस बीच, ईडी ने अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम को 21 दिसंबर को पेश होने के लिए बुलाया है। केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पहले उन्हें 2 नवंबर को जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। केजरीवाल ने नवंबर के समन को नजरअंदाज कर दिया था और इसे अवैध और राजनीति से प्रेरित बताया था। अप्रैल में दिल्ली शराब मामले के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी उनसे पूछताछ की थी। राघव चड्ढा ने भाजपा पर अरविंद केजरीवाल से 'डरने' और उन्हें 'कमजोर' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर आज सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसौदिया और संजय सिंह बीजेपी में शामिल होते हैं तो वे ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत करेंगे और मामले खत्म करा देंगे। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को दिल्ली के सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह कब तक जेल से दूर रह पाएंगे।

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की बैठक के दिन पटना में लगे पोस्टर, नीतीश को अहम भूमिका देने की मांग

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका सौंपने की मांग वाले पोस्टर मंगलवार को राज्य की राजधानी पटना के कई हिस्सों में लगाए गए। कुमार विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली गए हुए हैं। यहां लगाए गए इन पोस्टर के बारे में कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से त्वरित स्पष्टीकरण आया है कि उसका इन पोस्टर से कोई लेना-देना नहीं है। जदयू के सर्वोच्च नेता कुमार ने पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं, उनका एकमात्र उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को मजबूत करना है। बिहार में जदयू के साथ महागठबंधन सरकार में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपनी ओर से यह स्पष्ट कर दिया है कि प्राथमिक लक्ष्य लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना है और अगर इस प्रक्रिया में मुख्यमंत्री को शीर्ष पद मिलता है, तो यह बिहार के लिए गर्व की बात होगी।

जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधानपरिषद नीरज कुमार ने कहा, यह ज्ञात नहीं है कि पोस्टर किसने लगाए हैं। लेकिन इसके निश्चय (संकल्प) में कोई भी दोष नहीं निकाल सकता है। वह कुमार की तस्वीर वाले पोस्टरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें लिखा है, अगर सच में विजय चाहिए तो फिर एक निश्चय चाहिए। पोस्टर में वर्णित शब्द निश्चय नीतीश कुमार सरकार के

सात निश्चय कार्यक्रम की याद दिलाते हैं जो समाजवादी नेता और और बिहार में सबसे लंबे लंबी अवधि तक मुख्यमंत्री रहे कुमार के निचले स्तर तक का विकास मॉडल है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली बैठक में विभिन्न पार्टियां इस बहुदलीय गठन में कुछ हद तक एकजुटता लाने के लिए सत्तर वर्षीय कुमार को 'इंडिया' गठबंधन के संयोजक के रूप में नामित करने पर सहमत हो सकती हैं।

कुमार ने जून में यहां देश भर के भाजपा विरोधी नेताओं की पहली बैठक की मेजबानी की थी और एक महीने बाद बेंगलुरु में आयोजित सम्मेलन में 'इंडिया' गठबंधन नाम पर सहमति बनी थी। कुमार सहित गठबंधन के अधिकांश नेताओं की राय रही है कि सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण कांग्रेसको राष्ट्रीय समूह में सबसे आगे होना चाहिए। वह बिहार के सत्तारूढ़ महागठबंधन में एक 'जूनियर पार्टनर' भी है। हालाँकि, महागठबंधन के सूत्र इस बात से सहमत हैं कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हाल के विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में पुनर्विचार का आह्वान किया जा सकता है, जहां कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया। इस बीच, बिहार के सत्तारूढ़ महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद ने कहा कि अगर जदयू द्वारा पोस्टर लगाए भी गए तो भी उसमें कोई दिक्कत नहीं है।

राजद संस्थापक लालू प्रसाद और नेहरू-गांधी परिवार के बीच व्यक्तिगत समीकरणों के आधार पर राजद का कांग्रेस के कट्टर सहयोगी के रूप में देखा जाता है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, हर पार्टी अपने नेताओं को आगे बढ़ते हुए देखना पसंद करती है। भले ही नीतीश कुमार की पार्टी ने पोस्टर लगाए हों, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अगर हमारे मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री बनते हैं, तो यह हर नागरिक के लिए गर्व की बात होगी। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा, ये गौण बातें हैं। हमारे नेता तेजस्वी यादव ने विधानसभा के पटल पर कहा है कि वह उपमुख्यमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करके खुश हैं और नीतीश कुमार का उत्तराधिकारी बनने की जल्दी में नहीं हैं।

सांसदों के निलंबन पर एनसीपी प्रमुख पवार ने मोदी सरकार को सुना दी खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने संसद सुरक्षा चूक पर मोदी सरकार से बयान मांगने के बाद सांसदों को निलंबित करने के फैसले की जमकर आलोचना की। राज्यसभा सांसद पवार ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर सुरक्षा चूक की घटना के लिए स्पष्टीकरण मांगने वाले सांसदों को निलंबित करने के फैसले को जवाबदेही और पारदर्शिता के सिद्धांतों के प्रतिकूल बताया। एनसीपी प्रमुख पवार ने कहा, सांसदों को स्पष्टीकरण मांगने और संसदीय माहौल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का वैध अधिकार है, जो हमारे देश के लोकतंत्र का प्रतीक है। हालांकि, मोदी सरकार ने न केवल इस तरह के बयान से खुद को दूर कर लिया, बल्कि देश की सर्वोच्च कानून बनाने वाली संस्था की सुरक्षा में चूक पर स्पष्टीकरण/ बयान मांगने वाले सांसदों को निलंबित करने की कार्रवाई भी की। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। पवार ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि कुछ सांसद जो सदन के वेल में नहीं गए, नारेबाजी नहीं की और लगातार व्यवधान में शामिल नहीं थे, उन्हें भी निलंबित सांसदों की सूची में शामिल किया गया है। पवार ने कहा, हमले और उसके बाद निलंबन के मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, मैं आपसे संसदीय प्रक्रियाओं और मिसालों और लोकतांत्रिक मूल्यों की अखंडता को बनाए रखने के हित में इस मामले को संबोधित करने का अनुरोध करूंगा।

पवार ने कहा कि पिछले बुधवार को संसद पर एक कनस्तर हमला हुआ था, जिसमें दो लोग दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे, हालांकि उनको काबू कर लिया गया। संसद के बाहर दो अन्य लोग भी थे जिन्होंने रंगीन धुआं छोड़ा और सदन परिसर में नारे लगाए और अब उन चारों को उनके अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पवार ने उस दिन की घटना को बेहद परेशान करने वाली बताया, खासकर इसलिए तब जब उसी दिन (13 दिसंबर) आतंकवादी हमले की बरसी थी।

बीजेपी ने दिल्ली में किया सातों सीटें जीतने का दावा, फूंका लोकसभा चुनाव का बिगुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में बीजेपी ने बिगुल फूंक दिया है। इस सिलसिले में रविवार को दिल्ली बीजेपी की एक बड़ी संगठात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसे पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल. संतोष ने संबोधित किया। पार्टी नेताओं ने एक बार फिर दिल्ली की सातों लोकसभा सीटें जीतने का दावा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि वह निश्चिंत ना हों और अपनी तैयारियों में कोई कोर कसर ना छोड़ें। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बैठक को दिल्ली प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। बैठक में आमंत्रित नेताओं के अलावा पार्टी के प्रदेश, जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारी, सांसद, विधायक और पार्षद भी मौजूद रहे। बीएल. संतोष ने कहा कि 2019 की तुलना में 2024 का लोकसभा चुनाव आसान है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। आज हमारे सामने केवल राजनीतिक दलों की ही नहीं, बल्कि उन वैचारिक शक्तियों की भी चुनौतियां हैं, जो पीएम मोदी को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों को मदद कर रही हैं। हमें उन शक्तियों पर भी विजय हासिल करनी है।

भाजपा नेता ने कहा ?कि विकसित भारत अभियान और बूथ सशक्तिकरण अभियान को सफल बनाने के लिए भी हमें पूरी मेहनत करनी है और दिल्ली के सभी 13,000 से अधिक बूथों की संगठात्मक भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों और कार्यक्रमों की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि जिन कार्यकर्ताओं के संपर्क में अगर कोई स्कूल हो, तो वीर बलिदान दिवस के दिन उन स्कूलों में किसी कार्यक्रम का आयोजन करें। पिछले 70 सालों से हम सिर्फ चिल्ड्रंस डे मना रहे हैं, लेकिन बच्चों ने हमारे सामने क्या आदर्श प्रस्तुत किया है, इसकी जानकारी आज तक किसी ने नहीं दी।

बैठक में उन्होंने 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन वाले दिन सभी से अपने घरों को दीयों से सजाने और परिवार सहित किसी मंदिर में जाकर दर्शन करने और दीये जलाने की अपील की। बैठक में बैजयंत पांडा ने कहा कि राज्यों से हाल ही में आए चुनावी परिणामों ने माहौल को बढ़िया बना दिया है, इसलिए हमारे अंदर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय नेतृत्व की रणनीति और कार्यकर्ताओं के बल पर हम इस बार भी दिल्ली की सभी सातों सीटें जीत रहे हैं।

बाबरी मस्जिद पर सब्र किया, ज्ञानवापी पर नहीं करेंगे: तौकीर रजा

–आइएमसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सड़क पर लड़ाई लड़ने की दी धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। आइएमसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने कहा है कि बाबरी मस्जिद पर बहुत सब्र किया है लेकिन ज्ञानवापी पर जरा भी सब्र नहीं करेंगे। उन्होंने भड़काऊ बयान देते हुए कहा कि अबकी बार सड़क पर लड़ाई लड़ी जाएगी। यूपी में इस समय काशी- मथुरा का मुद्दा गरमाया हुआ है। लगातार कोर्ट में इन दोनों मुद्दों को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ी जा रही है। इसी बीच इत्तेहाद- ए- मिल्लत काउंसिल (आइएमसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा का यह भड़काऊ बयान सामने आया है। उन्होंने इस मामले में देश की सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों के बीच धर्म की खाई पैदा करने का आरोप लगाया है। ज्ञानवापी मस्जिद मामले पर मौलाना तौकीर रजा ने कहा है कि देश में फूट डालो और राज करो की साजिश चल रही है। ज्ञानवापी पर हक को लेकर सड़कों पर लड़ाई होगी। मौलाना तौकीर राजा ने मौजूदा सरकार और पिछली सरकार को घेरते हुए कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मुसलमानों को लेकर उन्होंने कहा कि हमें मोहताजी नहीं, हिस्सेदारी चाहिए। उन्होंने सीधे तौर पर केंद्र की मोदी और यूपी की योगी सरकार निशाना साधा है।

मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाई थी। देश पर राज किया। तौकीर रजा ने विवादित बयान देते हुए कहा कि अंग्रेजों के इस तरीके पर आज की सरकार हुकूमत कर रही है। अगर हमने उसके तरीके को पहचान लिया है तो तमाम गरीब, पिछड़ों को एकजुट होना चाहिए। मौलाना राजा ने कहा कि आज हिंदुस्तान में कानून को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। जब हुकूमत से फैसले होंगे, पुलिस खुलेआम एनकाउंटर करेगी। अदालतों तक जब बात नहीं पहुंचेगी, तो फिर कानून के राज पर सवाल खड़ा होता है। तौकीर रजा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में तकरीर कर रहे थे।

तौकीर रजा ने कहा कि आज सवाल कानूनी संस्थाओं की अहमियत पर है। हम अदालतों की रक्षा के लिए खड़े हैं। हम कानून की हिफाजत के लिए खड़े हैं। ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर मौलाना तौकीर राजा ने कहा कि हमारी आस्था की भी अहमियत है। हमने बाबरी मस्जिद पर सब्र किया है। ज्ञानवापी पर सब्र नहीं करेंगे। यह लड़ाई सड़कों पर लड़ी जाएगी। हमारे वकील कोर्ट में इसकी लड़ाई लड़ेंगे। लेकिन, हम मुसलमान सड़कों पर इसको लेकर उतरेंगे। हमारी सत्ता में मोहताजी नहीं चाहिए। हमें हिस्सेदारी चाहिए। हम अपने लोगों का काम खुद करना चाहते हैं। हम तुम्हारे मोहताज नहीं रहना चाहते हैं।

कोरोना महामारी को लेकर स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। कोरोना के मामले देश में एक बार फिर से बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। सिंगापुर, अमेरिका और चीन स ?हित कई देशों में कहर बरपाने के बाद इसके नए वेरिएंट जेएन-1 ने देश में भी दस्तक के दी है। उधर कर्नाटक सरकार ने मास्क पहनने की सलाह दी है। महामारी की बढ़ती संभावनाओं के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने को कहा है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने 20 दिसंबर को सभी स्वास्थ्य मं ?त्रियों की बैठक बुलाई है। केंद्र के आंकड़ों के अनुसार केरल राज्य में कोरोना केस सप्ताह भर में तीन गुना तक बढ़ गए हैं। केरल में कोरोना मामलों के साथ-साथ मौतों में भी वृद्धि देखी जा रही है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने कहा कि केंद्र को भेजे गए आंकड़ों के अनुसार केरल में कोरोना के दैनिक मामले एक सप्ताह में लगभग तीन गुना हो गए हैं। जबकि 1 से 17 दिसंबर तक 10 मौतें हुई हैं। सरकार की चिंता नए वेरिएंट जेएन.1 को लेकर है, जो हाल ही में केरल में एक 79 वर्षीय महिला में पाया गया था। यह कोरोना का सबसे नया वेरिएंट है, जो सिंगापुर, अमेरिका और चीन समेत कई देशों में जमकर कहर बरपा रहा है। 16 दिसंबर को केरल में 302 कोरोना के नए मामले और चार मौतें दर्ज की गईं। इससे पहले 10 दिसंबर को केरल में 109 मामले सामने आए थे। 12 दिसंबर को राज्य में कोरोना केस 200 को पार कर गए और चार दिनों के भीतर, केरल में 300 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों को लिखे अपने पत्र में कोरोना की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने राज्य सरकारों से नियमित आधार पर कोरोना केसों की रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। केंद्र ने कहा है कि राज्य में कोरोना केसों की बढ़ती संख्या का पैटर्न क्या है? इस पर भी रिपोर्ट दी जाए। इसके अलावा सभी राज्यों को आरटी-पीसीआर टेस्टों की संख्या बढ़ाने और जीनोम अनुक्रमण के लिए पॉजिटिव नमूने भारतीय प्रयोगशालाओं में भेजने की सलाह दी है ताकि नया वेरिएंट अगर है तो इसका पता लगाया जा सके।

पाकिस्तान अपनी छवि सुधारने के लिए ले रहा दाऊद का सहारा!

मुंबई (एजेंसी)। पाकिस्तान झूठ बोलने में माहिर है। कई बार उसका झूठ पकड़ा जा चुका है। इसके बाद भी झूठ पर झूठ बोलने से नहीं चूकता है। भारत का मोस्ट वांटेड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर भी पाकिस्तान छल प्रपंच के साथ दुनिया को धोखा देने की कोशिश हो सकती है। मुंबई हमले का मास्टरमाइंट दाऊद इब्राहिम को जहर दिए जाने की खबर के बाद सोशल मीडिया पर की तरह के दावे किए जा रहे है। डॉन जिंदा है या मर गया? इस पर ये सवाल चर्चा के केंद्र में है।

इस बीच पाकिस्तानी महिला पत्रकार आरजू काजिमी ने कई सनसनीखेज दावे किए हैं। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजिमी ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया की नजर में अपनी छवि सुधारने के लिए ऐसा कर सकता है जिसमें दाऊद इब्राहिम को एलीमिनेट (मार देना) करना भी शामिल हो सकता है। पाकिस्तानी पत्रकार ने कहा कि बीते दिनों पाकिस्तान में कई टार्गेटेड किलिंग हुई है लेकिन अब लोग पूछ रहे हैं कि आखिर ऐसे आतंकी संगठनों को चलाने वाले उनके मुखिया कब मारे जाएंगे।

पत्रकार आरजू काजमी ने कहा कि दुनिया ही नहीं अब पाकिस्तान का सबसे अच्छा दोस्त चीन भी कहने लगा है कि पाकिस्तान में ऐसे लोग नहीं होने चाहिए। इसलिए ये संभव है कि पाकिस्तान खुद ही दाऊद इब्राहिम जैसे लोगों को अब रास्ते से हटाना चाह रहा हो। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी का दावा है कि पाकिस्तान सरकार आज भी ये स्वीकार नहीं करती है कि दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान में है क्योंकि वो अभी भी भारतीय नागरिक के तौर पर ही जाना जाता है। उन्होंने कहा कि अगर दाऊद इब्राहिम यहां मारा गया या किसी बीमारी की वजह से भी उसकी मौत हो गई तो पाकिस्तान ये कभी स्वीकार नहीं करेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, कराची के क्लिफटन इलाके में दाऊद इब्राहिम का ठिकाना है और यहां वह परिवार के साथ रहता है। दाऊद के ठिकाने से करीब 8 किलोमीटर दूर कराची के आगा खान हॉस्पिटल में उसके के भर्ती होने का दावा पाकिस्तानी मीडिया की तरफ से किया गया है जहां किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीपीसीबी की संदिग्ध कार्यवाही के खिलाफ कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन

एथर कंपनी अग्निकांड में मृतक को के परिजनों को राज्य और केंद्र सरकार द्वारा मुआवजे की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी में ईथर केमिकल्स कंपनी में आग लगने की घटना में १० कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। और इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार कंपनी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए आज (१९-१२-२०२३) सूरत शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा दोपहर १-०० बजे गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सूरत इकाई के पांडेसरा कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश सूर्यवंशी ने कहा, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड-सूरत इकाई की अध्यक्ष श्रीमती जिग्नासा ओझा मैडम की कार्यवाही शंकास्पद लग रही है ।

उधना क्षेत्र में पर्यावरण कानूनों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, जिसके कारण स्थानीय लोगों, राहगीरों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो रही है। जीपीसीबी ईथर केमिकल कंपनी जैसी कई औद्योगिक इकाइयों की निगरानी कर रहा है जो अत्यधिक घातक बीमारियाँ फैला रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि यह पूरी तरह से विफल हो गया है। हमारी मांग है कि इस ईथर केमिकल कंपनी में मारे गए लोगों को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा उचित मुआवजा और उचित सहायता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर सूरत शहर कांग्रेस के अध्यक्ष हसमुख देसाई, वरिष्ठ नेता सुनल शेख, शैलेश रायका, विपुल उधनावाला, रायशा शेख, मनोज पाढ़ी, किशोर शिंदे, अशोक कोठारी, सुभाष व्यास, शशि दुबे, शैलेश राजपूत, जयेश महाराज, मुकेश राणा सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक और लाल बत्ती समान मामला

खेलते समय दूसरी मंजिल से गिरा बच्चा इलाज के दौरान मौत

मृतक के परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर में एक बार फिर दूसरी मंजिल से गिरकर आठ साल के मासूम बच्चे की मौत होने की दुखद घटना सामने आई है। शहर के वेसू इलाके में अवध नामक नवनिर्मित भवन में काम कर रहे एक मजदूर का बेटा मौज-मस्ती कर रहा था, तभी वह दूसरी मंजिल से गिर गया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए १०८ के माध्यम से सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के कुछ देर बाद ही उसने दम तोड़ दिया। हालांकि, मृतक के परिवार ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार वेसू क्षेत्र में मजदूर वर्ग के परिवारों के बच्चों को पास के जैन देरासर में खुले में पढ़ाया जाता था। पढ़ाई के बाद ये बच्चे मौज-मस्ती कर रहे थे। मस्ती-मस्ती में बच्चे का पैर स्लीप हो जाने पर दूसरी मंजिल से गिर गया। १०८ से बच्चों को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। शुक्रवार को हुई घटना के बाद मंगलवार को बच्चे की मौत हो गई। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने सिविल अस्पताल पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया।

बच्चे के परिजनों ने अस्पताल पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमें रात में एक निजी अस्पताल भेजा गया, जब हम वहां से लौटे तो मशीन भी बंद थी।

बच्चे की सांसें थम गईं थी। परिजनों ने कहा कि सही इलाज नहीं मिलने के कारण हमारे बच्चे की मौत हो गई। इसलिए हमारी मांग है कि जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई कर उचित न्याय दिलाया जाए।

बता दें कि, गत रोज सूरत में माता-पिता के लिए लाल बत्ती समान एक ऐसा ही मामला सामने आया था। जहां एक ही क्लास में पढ़ने वाले ८वीं क्लास के दो छात्रों के शव रेलवे ट्रैक पर मिले। इस घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। रेलवे पुलिस की प्रारंभिक जांच में दोनों छात्रों की मौत ट्रेन से कटकर होने की आशंका जताई गई है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने उद्योग मंत्री से नई कपड़ा नीति जल्द से जल्द घोषित करने की पुरजोर मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उद्योग मंत्री के समक्ष बिना कोई ब्लैकआउट अवधि रखे जल्द से जल्द नई पुरानी नीति के अनुसार सब्सिडी और सहायता प्रदान करने की मांग की गई : चैंबर अध्यक्ष रमेश वघासिया

सूरत : दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश वघासिया, उपाध्यक्ष विजय मेवावाला, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला और मानद कोषाध्यक्ष किरण ठुम्मर ने मंगलवार १९ दिसंबर, २००३ को गुजरात राज्य के उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत से मिलने व्यक्तिगत रूप से गांधीनगर आये थे। चैंबर के पदाधिकारियों ने उद्योग मंत्री को कपड़ा उद्योग के तीव्र विकास के उद्देश्य से जल्द से जल्द नयी कपड़ा नीति की घोषणा करने का पुरजोर सुझाव दिया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने कहा कि गुजरात सरकार की मौजूदा कपड़ा नीति ३१ दिसंबर २०२३ को समाप्त हो रहा है। इससे पहले गुजरात सरकार ने कपड़ा क्षेत्र में कभी भी ब्लैकआउट पीरियड नहीं रखा था, उद्योग मंत्री को प्रस्ताव दिया गया था कि बिना किसी प्रकार का ब्लैकआउट पीरियड रखे जल्द से जल्द नई कपड़ा नीति की घोषणा की जाए।

२०१९ की कपड़ा नीति में कताई (स्पीनिंग) क्षेत्र को शामिल नहीं किया गया था और २०१२ की कपड़ा नीति में केवल कॉटन स्पीनिंग को इन्सेंन्टिव का लाभ दिया गया था। इसलिए गुजरात सरकार की जो नई कपड़ा नीति घोषित की जाए उसमें मानव निर्मित फाइबर के कताई क्षेत्र को कवर करने के लिए उद्योग मंत्री से अनुरोध किया गया था। जबकि मौजूदा कपड़ा नीति में हाई टेंशन और लो टेंशन बिजली कनेक्शन वाली कपड़ा इकाइयों को एलटी में २ रुपये प्रति यूनिट और एचटी में ३ रुपये प्रति यूनिट की बिजली सब्सिडी दी जाती थी। नई कपड़ा नीति में यह लाभ जारी रखे जाने का अनुरोध किया है। जब नई कपड़ा नीति में टेक्सटाइल इंडस्ट्री के वीविंग, नीटिंग, प्रिपरेटरी, डाइंग प्रोसेसिंग और कढ़ाई (एम्ब्रोडरी) जैसे कपड़ा उद्योग क्षेत्रों को शामिल किया गया था। जिससे इन क्षेत्रों को नई कपड़ा नीति में शामिल करने के लिए उद्योग मंत्री से पेशकश किया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे राज्यों में कपड़ा इकाइयों के लिए स्थानीय सरकार द्वारा पूंजीगत सब्सिडी दी जाती है, इसलिए उद्योग मंत्री के समक्ष गुजरात सरकार की नई कपड़ा नीति में भी पुरानी कपड़ा नीति के अनुसार पूंजीगत सब्सिडी एवं सहायता प्रदान करने की मांग की गई थी।

गुजरात राज्य के उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेजेंटेशन को बहुत शांति से सुना और चेंबर के पदाधिकारियों के साथ प्रत्येक मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की और नीति में विभिन्न मुद्दों को शामिल करके जल्द से जल्द नीति की घोषणा करने का आश्वासन दिया

इसके अलावा, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण स्थापित करने वाली कपड़ा इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव किया गया था। टिकाऊ कपड़ा बनाने वाली इकाइयों से टिकाऊप्रौद्योगिकी के लिए ५० प्रतिशत तक पूंजी प्रोत्साहन प्रदान करने का भी अनुरोध किया गया।

चैंबर के अध्यक्ष ने उद्योग मंत्री के सामने प्रस्तुति देते हुए कहा कि नई कपड़ा नीति की घोषणा जल्द से जल्द की जाए, ताकि कई नई परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, जिससे कपड़ा क्षेत्र में कदम रखने वाले उद्यमी इसका लाभ उठा सके। यदि चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रस्तुत सभी बिंदुओं को नई कपड़ा नीति में शामिल किया जाता है, तो सूरत सहित पूरे दक्षिण गुजरात के कपड़ा उद्योग को इसका फायदा होगा। उद्योग मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों की जोरदार प्रस्तुति को बहुत शांति से सुना। उन्होंने गुजरात में कपड़ा उद्योग के तीव्र विकास के लिए चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और सभी मुद्दों को गुजरात सरकार की नई कपड़ा नीति में शामिल करने और जल्द से जल्द नीति की घोषणा करने का आश्वासन दिया।

चैंबर के उपाध्यक्ष विजय मेवावाला, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला और मानद कोषाध्यक्ष किरण ठुम्मर ने कपड़ा उद्योग की जरूरतों और उद्योग की विभिन्न मांगों के बारे में उद्योग मंत्री को प्रस्तुत किया, जिस पर उद्योग मंत्री ने सकारात्मक रुख दिखाया।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट १० जनवरी से

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने वाइब्रेंट समिट-२०२४ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया

१० जनवरी को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

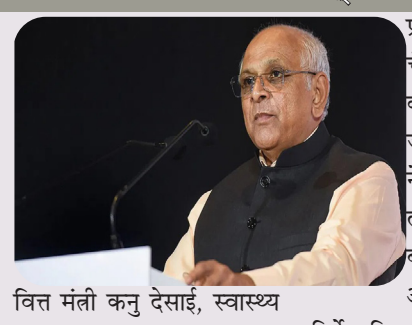

गुजरात को व्यापार और उद्योग के विश्व मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा २००३ में शुरूकिए गए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का १०वां शिखर सम्मेलन १० से १२ जनवरी २०२४ तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने इस बायब्रन्ट सम्मेलन को दो दशकों के 'सफलता के शिखर सम्मेलन' के रूप में आयोजित किया और इसे एक शानदार सफलता दिलाने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य सरकार की बहुआयामी आयोजन को अंतिम रूप दिया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में इस संबंध में हुई कोर कमेटी की बैठक में वित्त मंत्री कनु देसाई, स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री ऋषिकेष पटेल, उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, राज्य मंत्री हर्ष संघवी और जगदीश विश्वकर्मा भी मौजूद थे। वाइब्रेंट समिट-२०२४ का उद्घाटन १० जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी दुनिया के विभिन्न देशों के राष्ट्रपतियों और प्रमुखों के साथ ही देश-विदेश के सीईओएस की विशेष उपस्थिति में करेंगे। वाइब्रेंट समिट की शुरुआत से एक दिन पहले यानी ९ जनवरी से पांच दिनों के लिए एक ग्लोबल ट्रेड-शो का आयोजन किया गया है। विशेष रूप से इस व्यापार शो में दशकों पुरानी प्रौद्योगिकी, विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और चैंपियन सेवा क्षेत्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस ट्रेड-शो में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए इसे आकर्षक बनाने का निर्देश दिया।

११ जनवरी को शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन, प्रौद्योगिकी और नवाचार-समावेशी विकास के चालक, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स, पोर्ट आधारित शहर विकास, भविष्य-उद्योग ४.० के लिए कार्यबल का निर्माण, कौशल पर युवा केंद्रित कार्यक्रम जैसे विषयों पर सेमिनार, सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। ई.वी. स्टार्टअप, आधुनिक भारत की आकांक्षा-गिफ्टसिटी, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन, नवीकरणीय ऊर्जा, कौशल विकास के लिए वैश्विक नेटवर्क विकास आदि को शामिल किया गया है।